गोरखपुर से प्रकाशित

RNI Reg. NO. UPBIL/2023/87841

साप्ताहिक

स्वदेशी इनक्रेडिबल

Si न्यूज़

Web:www.sinews.in/E-mail: info@sinews.in

सिर्फ सच के साथ...

वर्ष : 03 अंक: 02 | गोरखपुर रविवार 06 जुलाई 2025 | मूल्य- 02 रूपया | पृष्ठ - 8

उनके विचार हमारे लिए मार्गदर्शक: प्रधानमंत्री मोदी

एजेंसी

नई दिल्ली। स्वामी विवेकानंद की पुण्यतिथि पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन्हें नमन किया है। पीएम मोदी ने उनके विचारों

को मार्गदर्शन करने वाला बताया। प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स हैंडल पर स्वामी विवेकानंद की 123वीं पुण्यतिथि पर भावनाएं व्यक्त कीं। लिखा, "मैं स्वामी विवेकानंद जी को उनकी पुण्यतिथि पर नमन करता हूं। उनके विचार और समाज के लिए उनकी दृष्टि हमारे लिए मार्गदर्शक प्रकाश बनी हुई है। उन्होंने हमारे इतिहास और सांस्कृतिक धरोहर में गर्व और आत्मविश्वास की भावना जगाई। उन्होंने सेवा और करुणा के मार्ग पर चलने पर भी जोर दिया।" बता दें, पीएम मोदी ने यह पोस्ट शुक्रवार सुबह किया। स्वामी विवेकानंद का जन्म 12 जनवरी 1863 को कोलकाता में नरेंद्रनाथ दत्त के रूप में हुआ था। श्री रामकृष्ण परमहंस के शिष्य बनने के बाद, उन्होंने आध्यात्मिकता और सामाजिक सेवा के क्षेत्र में अभूतपूर्व योगदान दिया। स्वामी विवेकानंद ने हमें सिखाया कि हमारी सांस्कृतिक धरोहर हमारी ताकत है, और इसे गर्व के साथ अपनाना चाहिए। साथ ही, उन्होंने मानवता की सेवा को जीवन का परम लक्ष्य बताया। उनकी शिक्षाएं आज भी हमें एकजुटता, करुणा और आत्मनिर्भरता का पाठ पढ़ाती हैं। स्वामी जी ने 1893 में शिकागो के विश्व धर्म संसद में उनके ऐतिहासिक भाषण ने विश्व मंच पर भारतीय संस्कृति और हिंदू धर्म की गौरवगाथा को प्रस्तुत किया। उनके इस भाषण ने न केवल भारत, बल्कि पूरी दुनिया में लोगों को प्रभावित किया। स्वामी विवेकानंद ने रामकृष्ण मठ और रामकृष्ण मिशन की स्थापना की, जो आज भी शिक्षा, स्वास्थ्य और मानव सेवा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य कर रहे हैं। उन्होंने भारतीय युवाओं को आत्मविश्वास और सांस्कृतिक गर्व का संदेश दिया। उनका कथन, "उठो, जागो और तब तक मत रुको, जब तक लक्ष्य प्राप्त न हो," आज भी लोगों को प्रेरित करता है। उन्होंने धर्म को केवल पूजा-पाठ तक सीमित नहीं माना, बल्कि इसे जीवन के हर क्षेत्र में लागू करने की वकालत की। उनके लिए सेवा और करुणा सच्चे धर्म के आधार थे। उनके विचारों ने भारतीय समाज में राष्ट्रवाद की भावना को बल दिया और युवाओं को देश के पुनर्निर्माण के लिए प्रेरित किया। उनकी जयंती, 12 जनवरी, भारत में राष्ट्रीय युवा दिवस के रूप में मनाई जाती है, जो उनकी युवा शक्ति के प्रति अटूट विश्वास को दशार्ता है।

मैं विवेकानंद की हिंदू धर्म की परिभाषा में विश्वास करती हूं : ममता बनर्जी

✦ मुख्यमंत्री ने कहा कि नई पीढ़ी के बीच स्वामीजी के आदर्शों के और अधिक प्रसार के लिए राज्य सरकार ने उनके जन्मदिन 23 जनवरी को विवेक चेतना उत्सव का आयोजन किया।

एजेंसी

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शुक्रवार को स्वामी विवेकानंद की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की और कहा कि वह विवेकानंद की हिंदू धर्म की उस परिमें विश्वास करती हैं, जो मानवता को हर चीज से ऊपर रखती है। विवेकानंद को एक संत-देशभक्त बताते हुए बनर्जी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि स्वामीजी ने जो सार्वभौमिक भाईचारे और शांति का संदेश दिया, वह आज भी उतना ही प्रासंगिक है। स्वामी विवेकानंद का जन्म 12 जनवरी 1863 को कोलकाता में एक संपन्न परिवार में हुआ था। चार जुलाई 1902 को उनका निधन हो गया था। बनर्जी ने कहा, स्वामीजी जिस हिंदू धर्म में विश्वास करते थे, मैं भी उसी में विश्वास करती हूं और वह धर्म कहता है कि मानवता सबसे महान

है। स्वामी विवेकानंद के आदर्शों से प्रेरित होकर मैं चाहती हूं कि बंगाल और देश के लोग, चाहे वे किसी भी धर्म, जाति या वर्ग के हों, एक-दूसरे का सम्मान और प्रेम करें। मुख्यमंत्री ने यह भी उल्लेख किया कि उनकी सरकार ने यह सुनिश्चित करने का प्रयास किया है कि विवेकानंद और उनकी शिष्या सिस्टर निवेदिता के आवास क्रमशः रामकृष्ण मिशन और रामकृष्ण शारदा मिशन को सौंपे जाएं। विवेकानंद ने 1897 में रामकृष्ण मिशन की स्थापना की थी।

ऑपरेशन सिंदूर स्वराज की रक्षा के लिए प्रतिबद्धता का बेहतरीन उदाहरण, बोले शाह

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कहा कि भारत के

सशस्त्र बल और नेतृत्व 'स्वराज' या देश की संप्रभुता की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध हैं और ऑपरेशन सिंदूर के दौरान यह बहुत अच्छे ढंग से प्रदर्शित हुआ। पुणे में राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (एनडीए) में मराठा राजनेता और जनरल पेशवा बाजीराव प्रथम की घुड़सवार प्रतिमा के अनावरण के बाद बोलते हुए, भाजपा नेता ने यह भी कहा कि जब भी वह नकारात्मक विचारों से ग्रस्त होते हैं, तो उन्हें छत्रपति शिवाजी महाराज और बाजीराव की याद आती है। शाह ने कहा कि एनडीए बाजीराव के स्मारक के लिए सबसे उपयुक्त स्थान है क्योंकि यह एक ऐसा संस्थान है जहां सैन्य नेतृत्व को प्रशिक्षित किया जाता है। शाह ने कहा कि पुणे की धरती स्वराज के संस्कार का उद्गम स्थान है। 17वीं शताब्दी में यहीं से स्वराज का आलेख देशभर में पहुंचा। जब अंग्रेजों के सामने फिर से स्वराज के लिए लड़ने का समय आया तो सबसे पहले सिंह गर्जना तिलक महाराज ने की झ 'स्वराज मेरा जन्मसिद्ध अधिकार है।' एक व्यक्ति अपने जीवन में अपने देश के लिए कितना कर सकता है, इसका उदाहरण भी महाराष्ट्र की पुण्यभूमि से ही वीर सावरकर जी ने प्रस्तुत किया।

उन्होंने कहा कि तीनों सेनाओं के प्रमुख जहाँ से अभ्यास करके निकलते हैं, उस नेशनल डिफेंस अकादमी में श्रीमंत बाजीराव की मूर्ति लगने से जो प्रेरणा मिलेगी, उससे भारत की सीमाओं को कोई छू नहीं पाएगा। शाह ने कहा कि युद्ध की कला के कुछ नियम कभी कालबा नहीं होते...युद्ध में व्यूह रचना का महत्त्व, त्वरा का महत्त्व, समर्पण का भाव, देशभक्ति का भाव और बलिदान का भाव...यही सेनाओं को विजय दिलाते हैं, बस हथियार बदलते रहते हैं...और इन सभी गुणों का सबसे उत्कृष्ट उदाहरण 500 वर्षों के भारतीय इतिहास में केवल श्रीमंत बाजीराव पेशवा में ही मिलता है।

श्रीकृष्ण जन्म भूमि मामले में हिंदू पक्ष को बड़ा झटका

एजेंसी

नई दिल्ली। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने शुक्रवार को कृष्ण जन्मभूमि मामले में भविष्य की सभी कार्यवाहियों में शाही ईदगाह मस्जिद को "विवादित संरचना" के रूप में संदर्भित करने के लिए हिंदू पक्ष द्वारा दायर याचिका को खारिज कर दिया। अदालत ने शाही ईदगाह मस्जिद को "विवादित संरचना" घोषित करने के हिंदू पक्ष के अनुरोध पर अपना फैसला सुनाया। यह अनुरोध करने वाले आवेदन ए-44 को खारिज कर दिया गया। न्यायमूर्ति राम मनोहर नारायण मिश्रा की अगुवाई वाली पीठ ने मौखिक रूप से कहा कि आवेदन को इस स्तर पर खारिज किया जा रहा है। सूट नंबर 13 में याचिकाकर्ता, एडवोकेट महेंद्र प्रताप सिंह ने शाही मस्जिद को विवादित संरचना घोषित करने के लिए प्रार्थना प्रस्तुत की थी। आवेदन ए-44 के माध्यम से याचिकाकर्ता ने अदालत से अनुरोध किया था कि वह अदालत के स्टेनोग्राफर को मूल मामले में भविष्य की सभी कार्यवाही के दौरान "शाही ईदगाह मस्जिद" के बजाय "विवादित संरचना" शब्द का उपयोग करने का निर्देश दे।

महागठबंधन में शामिल होने को बेताब ओवैसी की पार्टी, लालू यादव को लिखा पत्र

पत्र में इमाम ने कहा कि एक साथ चुनाव लड़ने से यह सुनिश्चित होगा कि धर्मनिरपेक्ष वोट बिखरेंगे नहीं और अगली सरकार बनाने के लिए महागठबंधन के पास बेहतर अवसर होंगे।

एजेंसी

नई दिल्ली। बिहार में एआईएमआईएम इस साल के अंत में होने वाले बिहार चुनाव

में एकजुट मोर्चा बनाने और अल्पसंख्यक वोटों को एकजुट करने के लिए महागठबंधन में शामिल होना चाहती है। सूत्रों ने बताया कि बिहार के एआईएमआईएम प्रमुख और विधायक अख्तरुल ईमान ने राष्ट्रीय जनता दल (राजद) प्रमुख लालू यादव को एक पत्र लिखा है, जिसमें हैदराबाद स्थित पार्टी को महागठबंधन में शामिल करने का अनुरोध किया गया है। पत्र में इमाम ने कहा कि एक साथ चुनाव लड़ने से यह सुनिश्चित होगा कि धर्मनिरपेक्ष वोट बिखरेंगे नहीं और अगली सरकार बनाने के लिए महागठबंधन के पास बेहतर अवसर होंगे। हालांकि, इमाम ने यह भी कहा कि एआईएमआईएम को महागठबंधन में शामिल करने पर जल्दी निर्णय नहीं लेना राजद के लिए एक खोया हुआ अवसर माना जाएगा। इमाम ने कहा कि हमने आरजेडी, कांग्रेस और महागठबंधन के अन्य दलों से उनके साथ जुड़ने के लिए बात की है। एक प्रस्ताव भेजा गया है। हमने उनसे जल्द ही निर्णय लेने को कहा है। असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी के नेता ने कहा कि अगर वे ऐसा नहीं करते हैं, तो उन्हें यह नहीं कहना चाहिए कि वे चाहते हैं कि हम चुनाव के बाद उनके साथ रहें। सीमांचल में अल्पसंख्यक वोटों के लिए कड़ी टक्कर होगी। किशनगंज में 67 प्रतिशत मुस्लिम मतदाता हैं, कटिहार में 38 प्रतिशत, अररिया में 32 प्रतिशत और पूर्णिया में 30 प्रतिशत।

महिला नेता पर भाजपा विधायक की टिप्पणी अस्वीकार्य: नवीन पटनायक

एजेंसी

भुवनेश्वर। ओडिशा में बीजू जनता दल (बीजद)प्रमुख नवीन पटनायक ने पार्टी की वरिष्ठ नेता लेखाश्री सामंतसिंघर के खिलाफ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) विधायक संतोष खटुआ की टिप्पणी की आलोचना करते हुए इसे "बेहद परेशान करने वाला और अस्वीकार्य" बताया है। पटनायक ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा "राजनीतिक प्रतिक्रिया के तौर पर सार्वजनिक रूप से एक महिला को बदनाम करना एक बीमार मानसिकता को दशार्ता है और इसका उद्देश्य सार्वजनिक जीवन में महिलाओं को चुप कराना है।

सम्पादकीय...

कैब नियमन मानक

समय की जरूरत और नई पीढ़ी के रुझान के मद्देनजर पिछले कुछ वर्षों में देश में कैब सेवाओं का आधार व्यापक हुआ है। कैब सेवाएं उपलब्ध कराने वाली देशी-विदेशी कंपनियों की कड़ी प्रतिस्पर्धा ने इस क्षेत्र को आशातीत विस्तार दिया है। लेकिन साथ ही चालकों के हित संरक्षण और उपयोगकताओं के हितों के नियमन की आवश्यकता भी लंबे समय से महूसस की जा रही थी। इन सवारी सेवाओं पर लागू होने वाले नये दिशा-निदेर्शों का मकसद कैब एग्रीगेटर्स को अधिक अवसर प्रदान करना, ड्राइवरों के कल्याण को सुनिश्चित करना और उपयोगकताओं के हितों की रक्षा के बीच संतुलन बनाना है। सरकार ने उबर,ओला,इन-ड्राइव और रैपिडो जैसे एग्रीगेटर्स को पीक ऑवर्स के दौरान बेस किराए से दुगना तक चार्ज करने की अनुमति दी है। उल्लेखनीय है कि पहले यह बेस किराए से डेढ़ गुना अधिक था। जिसे सेवाओं में दबाव की स्थिति में किराये की तेजी के रूप में दशार्या जाता था। इसके साथ ही, सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय द्वारा जारी संशोधित मोटर वाहन एग्रीगेटर दिशा निर्देश-2025 में गैर-पीक ऑवर्स के शुल्क को बेस किराए से पचास प्रतिशत से कम नहीं रखा गया है। दरअसल, यह कदम ये सुनिश्चित करने के लिये है कि पीक ऑवर्स के दौरान यात्रियों पर बोझ न पड़े और एग्रीगेटर्स अन्य समय में भारी छूट के माध्यम से प्रतिस्पर्धा को कम न करे। केंद्र सरकार के अनुसार, वर्ष 2020 के दिशा-निदेर्शों के संशोधित संस्करण के नए मानदंड उपयोगकर्ता की सुरक्षा और चालक के कल्याण के मुद्दों पर ध्यान देते हुए एक हल्की-फुल्की नियामक प्रणाली प्रदान करने का एक प्रयास है। इसमें शामिल अन्य प्रावधानों के अनुसार एग्रीगेटर्स को वाहन की लोकेशन और ट्रैकिंग डिवाइस लगानी होगी। इसका मकसद यात्रा करने वाले लोगों को सुरक्षा प्रदान करना भी है। ट्रैकिंग डिवाइस लगाने का मकसद यह सुनिश्चित करना है कि उन्हें वाहन की स्थिति की जानकारी मिलती रहे। जिसका राज्य सरकारों के एकीकृत कमांड और कंट्रोल सेंटर से जुड़ा रहना भी जरूरी है। निश्चय ही यह महिला सवारियों की सुरक्षा के मद्देनजर अपरिहार्य कदम है। इसके अलावा ड्राइवरों के हितों का भी ध्यान रखा गया है। उनके लिये बेहतर कमाई का प्रतिशत अनिवार्य किया गया है। उनके पास क्रमशः कम से कम पांच लाख और दस लाख रुपये का स्वास्थ्य और टर्म बीमा होना चाहिए। केंद्र सरकार के इस हालिया प्रयास ने राज्यों के लिये बाइक टैक्सियों को अनुमति देने का रास्ता भी खोल दिया है। निस्संदेह, ये प्रयास जहां अधिक राजस्व पैदा करने का जरिया बन सकता है, वहीं रोजगार सृजनकर्ता भी साबित हो सकता है। देश में जिस तरह बेरोजगारी की समस्या है, उसमें रोजगार के नये क्षेत्र पैदा करना वक्त की जरूरत है। यदि चालकों के लिये बेहतर कार्य परिस्थितियां और सम्मानजनक आय की व्यवस्था हो पाती है तो कई बेरोजगार इस दिशा में पहल कर सकते हैं। लेकिन जरूरी है कि एग्रीगेटर चालकों के साथ मनमानी न कर सकें। हर छोटे-बड़े व्यक्ति को आत्मसम्मान के साथ जीविका उपार्जन का अधिकार है। किसी भी काम को हेय दृष्टि से नहीं देखा जाना चाहिए।

राशिफल

मेषः- कुछ अच्छे आसारों से मन प्रफुल्लित रहेगा। पेशे संबंधी कोई यात्रा में अवरोध संभव। शिक्षार्थियों के लिए विशेष लाभ के आसार बनेंगे। जीवन साथी के स्वास्य के प्रति सतर्कता अपेक्षित है।

बृषभः- स्वयं पर भरोसा रख योजनाओं को सुचारू रुप से क्रियान्वित करें। सगे-संबंधों में सरल व व्यावहारिक बनने की कोशिश करें। अथार्भाववश चिंता संभव।

मिथुनः- किसी महत्वपूर्ण कार्य में अवरोध से मन हतोत्साहित होगा। संबंधों के प्रति कुछ नयी शिकायतें संभव। किसी विद्वान के विचारों से प्रभावित मन में उत्साह का संचार होगा।

कर्कः- कोई नई जिज्ञासा मन को आकर्षित करेगी। भौतिक सुख-साधनों की लालसा बढ़ेगी। शिक्षा-प्रतियोगिता की दिशा में किया गया परिश्रम तीव्र होगा। रोजगार में प्रगति संभव।

सिंहः- किसी महत्वपूर्ण निर्णय लेने में मन दुविधाग्रस्त होगा। मित्रवत संबंधों का लाभ प्राप्त होगा। आवेश में लिये गये निर्णय से पश्चाताप संभव। रोजगार में अति व्यस्तता रहेगी किंतु कायरे को समय से पूर्ण करें।

कन्याः- समस्याओं के समाधान हेतु मन नयी-नयी युक्तियों पर केंद्रित होगा। महत्वपूर्ण कायरें के प्रति आलस्य न करें। छोटी-छोटी बातों पर क्रोधित न हो। जीवन साथी से मधुरता कायम रखें।

तुलाः- मन सकारात्मक विचारों से प्रभावित होगा। नाजुक संबंधों में संतुलित वाणी का प्रयोग करें। कोई हितैषी बिगड़े हुए संबंधों को सुधरवायेगा। रोजगार में अपनी क्षमता का लाभ उठाएंगे।

वृश्चिकः- सभी प्रकार के दायित्वों की पूर्ति हेतु संतुलित योजना पर चलें। किसी महत्वपूर्ण निर्णय में सगे-संबंधियों का सहयोग प्राप्त होगा। विरोधियों की प्रबलता से कार्यक्षेत्र में कुछ कठिनाइयां संभव।

धनुः- नये समीकरण लाभकारी कार्य क्षमता के परिचायक होंगे। प्रणय संबंधों में प्रगाढ़ता बढ़ेगी। आय-व्यय में संतुलन बनाने का प्रयत्न करें। महत्वपूर्ण कायरे में आलस्य का त्याग करें।

मकरः- कोई नई जिज्ञासा मन को आकर्षित करेगी। भौतिक सुख-साधनों की लालसा बढ़ेगी। शिक्षा-प्रतियोगिता की दिशा में किया गया परिश्रम सार्थक होगा। रोजगार में प्रगति संभव।

कुंभः- पुरानी समस्याओं पर विजय प्राप्त कर उत्साहित होंगे। नियोजित कार्यकुशलता से प्रगति के लिए आशान्वित होंगे। सुखद कायरें की व्यस्तता रहेगी। जीवन साथी के स्वास्य के प्रति सतर्क रहें।

ब्रिक्स शिखर सम्मेलन वैश्विक दक्षिण में भारत की छवि चमकाने का अवसर

नित्य चक्रवर्ती

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सामने 6 और 7 जुलाई को ब्राजील के रियो डीजेनेरियो में होने वाली ब्रिक्स की बैठक में वैश्विक दक्षिण के हितों के रक्षक के रूप में भारत की छवि को बेहतर बनाने का कठिन काम है। इस बैठक में वे भाग लेंगे। 17वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की मेजबानी ब्राजील करेगा और इसका मुख्य विषय अधिक समावेशी और सतत शासन के लिए वैश्विक दक्षिण सहयोग को मजबूत करना होगा। इस व्यापक विषय के अलावा, चचार्एं आतंकवाद के विरुद्ध वैश्विक लड़ाई और गाजा में इजरायली नरसंहार से संबंधित होंगी, जिसकी ब्रिक्स के अधिकांश सदस्यों ने कड़ी निंदा की है। शुरूआत में ब्राजील, रूसी संघ, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका से मिलकर बने इस गठबंधन का हाल ही में विस्तार हुआ है। विस्तारित हुए देशों में अब मिस्र, इथियोपिया, इंडोनेशिया, ईरान, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) भी शामिल हो गये हैं। आने वाले शिखर सम्मेलन में चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन शामिल नहीं होंगे। इस तरह, भारतीय प्रधानमंत्री दक्षिण अफ्रीका और ब्राजील के राष्ट्रपतियों के अलावा एक प्रमुख शख्सियत होंगे। ब्राजील की अध्यक्षता दो प्राथमिकताओं पर ध्यान केंद्रित करेगीरू वैश्विक दक्षिण सहयोगय और सामाजिक, आर्थिक और पर्यावरणीय विकास के लिए ब्रिक्स की भागीदारी। ब्राजील छह मुख्य क्षेत्रों वैश्विक स्वास्थ्य सहयोग, व्यापार, निवेश और वित्त पर भी ध्यान केंद्रित करने का प्रस्ताव करता है। जलवायु परिवर्तन, कृत्रिम बुद्धिमत्ता शासन, बहुपक्षीय शांति और सुरक्षा वास्तुकला और संस्थागत विकास भी प्रमुख मुद्दे होंगे। भारत के लिए, विशेष रूप से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के लिए, शिखर सम्मेलन में सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि ब्रिक्स सदस्यों को आतंकवाद पर भारतीय दृष्टिकोण और पाकिस्तान की भूमिका के बारे में देश के आकलन से राजी किया जाये। पाकिस्तान ब्रिक्स का सदस्य नहीं है और चीनी राष्ट्रपति की शिखर सम्मेलन में बड़ी उपस्थिति नहीं होगी। इसलिए, नरेंद्र मोदी वैश्विक दक्षिण देशों के बीच पाकिस्तान द्वारा बनाई गई पीड़ित की धारणा को दूर करने के लिए कुछ उचित काम कर सकते हैं। चीन में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की बैठक के रक्षा मंत्रियों के हालिया सम्मेलन में, भारत को शर्मिंदगी का सामना करना पड़ा क्योंकि संयुक्त घोषणा में पहलगाम का कोई संदर्भ नहीं था जबकि बलूचिस्तान को आतंकवादी कार्रवाई के मामले के रूप में उल्लेख किया गया था। दस एससीओ सदस्यों में से नौ, जिनमें चीन, रूस और पाकिस्तान शामिल थे, ने भारत की अनदेखी करते हुए उस घोषणा का समर्थन किया। हालांकि भारत ने उस पर हस्ताक्षर नहीं किये और इसे जारी नहीं किया जा सका, लेकिन एससीओ बैठक में भारत के अलग-थलग पड़ने से ऑपरेशन सिंदूर, जो 10 मई को युद्धविराम में समाप्त हुआ था, के बाद से विदेशों में भारत के कूटनीतिक प्रयासों की विफलता का पता चला। हालांकि भारतीय विदेश मंत्रालय के अधिकारी ने कहा है कि ब्राजील शिखर सम्मेलन में ब्रिक्स घोषणापत्र आतंकवाद पर भारत की स्थिति को प्रतिबिंबित करेगा, लेकिन इसे हल्के में नहीं लिया जा सकता क्योंकि चीनी वरिष्ठ मंत्री अभी भी बैठक में भाग लेंगे और अधिकांश ब्रिक्स सदस्य मोदी के तीन सूत्री

सिद्धांत से सहमत नहीं हैं। भारतीय अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने के लिए बहुत सारी तैयारियां करनी होंगी कि इस बार ब्राजील में ऐसी कोई शर्मिंदगी न हो जैसी पिछले महीने चीन में एससीओ रक्षा मंत्रियों की बैठक के दौरान हुई थी। घोषणापत्र का पर्यवेक्षण मेजबान ब्राजील के राष्ट्रपति लूला करेंगे। इसलिए संयुक्त घोषणापत्र में आतंकवाद पर भारत के विचारों को शामिल करने के लिए राष्ट्रपति लूला के साथ नरेंद्र मोदी के व्यक्तिगत हस्तक्षेप की आवश्यकता होगी। वास्तविकता यह है कि नरेंद्र मोदी ने ब्रिक्स सदस्यों की नजर में वैश्विक दक्षिण के लिए लड़ने वाले के रूप में अपनी व्यक्तिगत छवि खो दी है। पिछले तीन वर्षों में,सामान्य कारणों से वैश्विक दक्षिण में भारत का अलगाव बढ़ गया है क्योंकि भारतीय प्रधानमंत्री ब्रिक्स, एससीओ और यहां तक कि जी-20 के बजाय क्वाड में अधिक रुचि ले रहे हैं। क्वाड विदेश मंत्रियों की बैठक मंगलवार 1 जुलाई को वाशिंगटन में हो रही है जिसमें भारतीय विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर भाग ले रहे हैं। इसके बाद इस साल के अंत में क्वाड शिखर सम्मेलन होगा, संभवतः नई दिल्ली में। अगर ऐसा होता है, तो राष्ट्रपति ट्रम्प इसमें भाग लेंगे। इस बैठक की सफलता के लिए पीएमओ और विदेश मंत्रालय दोनों ही काम में व्यस्त रहेंगे। जुलाई में होने वाली ब्रिक्स की यह बैठक भारतीय प्रधानमंत्री के लिए बहुत महत्वपूर्ण है, क्योंकि भारत ब्रिक्स की अगली अध्यक्षता संभालेगा, जिसका मतलब है कि 18वां ब्रिक्स शिखर सम्मेलन भारत में होगा। इस शिखर सम्मेलन में भारत की गहरी भागीदारी और वैश्विक दक्षिण के हितों को साझा करने से ब्रिक्स सदस्यों और सहयोगियों में यह विश्वास पैदा होगा कि भारत पर वैश्विक दक्षिण के प्रमुख नेताओं में से एक होने का भरोसा किया जा सकता है।

कुछ खास...

किसान आत्महत्या और अमीरों की कर्ज माफी

मोदी सरकार के 11 सालों के जश्न के बीच दो ऐसी खबरें आई हैं, जो एकबारगी बिल्कुल अलग-अलग दिखती हैं, लेकिन गौर से देखें तो दोनों के बीच गहरा संबंध

है। दोनों ही खबरें मोदी सरकार की बड़ी नाकामी को जाहिर करती हैं, बशर्ते प्रधानमंत्री मोदी को इस बात का अहसास हो कि उनका काम केवल दुनिया की सैर करना और अपना प्रचार करना नहीं है, बल्कि इस देश को चलाना और यहां के नागरिकों का ख्याल रखना भी उन्हीं की जिम्मेदारी है। 11 साल पहले जब नरेन्द्र मोदी सत्ता में आए थे, तो बात-बात में 60 साल बनाम 60 महीने का जिक्र करते और दावा करते थे कि पिछली सरकारों ने कुछ नहीं किया, केवल देश को बर्बाद किया है। लेकिन अब खुद नरेन्द्र मोदी को सत्ता पर बैठे 132 महीने हो चुके हैं और इस समय जो बबार्दी दिख रही है, श्री मोदी उसे नजरंदाज कर रहे हैं। एक खबर आई है महाराष्ट्र से जहां पिछले तीन महीनों में 767 किसानों ने आत्महत्या कर ली है। महाराष्ट्र में किसान आत्महत्या एक गंभीर समस्या बन चुकी है। साल दर साल आत्महत्या से होने वाली मौतों के आंकड़े बदल रहे हैं, लेकिन सरकार इस तरफ कोई ध्यान ही नहीं दे रही है। मानो गरीब आदमी जिए या मरे उसे कोई फर्क नहीं पड़ता। खुद सरकार ने किसान आत्महत्या के आंकड़े विधानपरिषद में पेश किए हैं। महाराष्ट्र के राहत और पुनर्वास मंत्री मकरंद पाटिल ने एक लिखित जवाब में विधान परिषद में बताया कि जनवरी 2025 से मार्च 2025 के बीच राज्य में आत्महत्या के 767 मामले सामने आए हैं। आत्महत्या करने वाले 767 किसानों में से 373 किसान परिवार सरकार की मदद के लिए पात्र हो गए हैं, जबकि 200 किसानों के परिवारों को कोई सहायता नहीं मिल पाएगी, क्योंकि वे सरकार द्वारा तय किए गए मानदंडों पर खरे नहीं उतरे। वहीं अभी 194 मामले जांच के लिए लंबित हैं। सोचिए कैसी विडंबना है कि जिन लोगों के घरों में आत्महत्या जैसा बड़ा कदम उठाया गया, क्योंकि उनके लिए सम्मानित जीवन के सारे रास्ते बंद हो गए, उन लोगों को सहायता देने के लिए सरकार अब भी मानदंडों पर परख रही है। बता दें कि महाराष्ट्र सरकार आत्महत्या करने वाले किसान के परिवार को 1 लाख रुपये की आर्थिक सहायता देती है। इससे भी जाहिर होता है कि सरकार कहीं न कहीं अपनी ही कमजोरी को स्वीकार कर रही है। जो धनराशि किसी की जान चले जाने के बाद सहायता के तौर पर दी जा रही है, अगर वह पहले ही जिम्मेदारी के तौर पर किसानों को मिल जाए, तो कितने लोग अकाल मौतों से बचाए जा सकते हैं। लेकिन सरकार की प्राथमिकता में किसान नहीं उद्योगपति हैं। ये एक दूसरी खबर से जाहिर होता है। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया ने उद्योगपति अनिल अंबानी की कंपनी रिलायंस कम्युनिकेशंस लिमिटेड (आरकॉम) के कर्ज खाते को धोखाधड़ी के रूप में वगीर्कृत कर दिया है। इसके साथ ही बैंक ने कंपनी के पूर्व निदेशक अनिल अंबानी का नाम भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) को रिपोर्ट करने का निर्णय लिया है।

पैन इंडिया फिल्म महावतार नरसिम्हा का नया प्रोमो हुआ रिलीज, शुरू हुई धर्म की महायात्रा!

महावतार नरसिम्हा एक ऐसा सिनेमा बनता जा रहा है जो वाकई देखने लायक होगा क्योंकि इसमें भव्यता है, जबरदस्त विजुअल्स हैं और कहानी भी दमदार लग रही है। हाल ही में मेकर्स ने जब महावतार सिनेमैटिक यूनिवर्स का एलान किया, तो मानो बात और भी बड़ी हो गई। होम्बले फिल्म्स और कलीम प्रोडक्शंस ने इस बड़े एनिमेटेड प्रोजेक्ट का लाइनअप ऑफिशियली अनाउंस कर दिया है। ये पूरी फ्रेंचाइज अगले दस सालों तक चलेगी और भगवान विष्णु के सात दिव्य अवतारों की कहानी बताएगी जिसमें महावतार नरसिम्हा (2025), महावतार परशुराम (2027), महावतार रघुनंदन (2029), महावतार द्वारकाधीश (2031), महावतार गोकुलानंद (2033), महावतार कल्कि पार्ट 1 (2035), और महावतार कल्कि पार्ट 2 (2037) एक नाम शामिल है। अब मेकर्स ने महावतार नरसिंह से एक नया प्राद महाराज प्रोमो रिलीज किया है, जो फिल्म की रोमांचक कहानी की एक झलक देता है। इस प्रोमो को सोशल मीडिया पर शेयर करते हुए मेकर्स ने लिखा राजकुमार बनकर जन्मे, संत के रूप में पूजे गए। प्राद महाराज अंधकार के समय में भक्ति की अमर ज्योति। धर्म की विजय की शुरूआत हो चुकी है... 25 जुलाई से महावतार नरसिम्हा सिनेमाघरों में होगी रिलीज। 3डी में करें इसका अनुभव। महावतार नरसिम्हा का डायरेक्शन अश्विन कुमार ने किया है, और इसे शिल्पा धवन, कुशल देसाई, और चैतन्य देसाई ने कलीम प्रोडक्शंस के तहत प्रोड्यूस किया है। होम्बले फिल्म्स के साथ मिलकर, जो अपनी आकर्षक कंटेंट के लिए जानी जाती है, यह पार्टनरशिप अलग-अलग एंटरटेनमेंट प्लेटफॉर्म्स के जरिए एक सिनेमाई मास्टरपीस पेश करने का लक्ष्य रखती है। इस फिल्म की शानदार विजुअल्स, सांस्कृतिक विविधता, बेहतरीन फिल्म तकनीक, और मजबूत कहानी के साथ, इसे 3क और पांच भारतीय भाषाओं में रिलीज किया जाएगा।

कार्तिक आर्यन का भी हो रहा है सुशांत सिंह जैसा हाल, इस सिंगर ने खोल दिया बॉलीवुड का काला चिट्ठा

सिंगर अमाल मलिक ने हाल ही में फिल्म उद्योग से जुड़ा ऐसा बयान दिया है, जो बड़ा विवाद पैदा कर सकता है। अमाल मलिक का मानना है कि इंडस्ट्री के लोग

कार्तिक आर्यन के साथ भी वही बर्ताव कर रही है जो सुशांत सिंह राजपूत के साथ किया था और जिसकी वजह से उनकी जान गई है लेकिन कार्तिक के साथ सपोर्ट है। अमाल मलिक ने बड़े निमार्ताओं और अभिनेताओं पर कार्तिक आर्यन को बॉलीवुड में किनारे करने की साजिश रचने का आरोप लगाया है। उनके इस बयान ने पूरे इंडस्ट्री और कार्तिक आर्यन के प्रशंसक वर्ग में हलचल मचा दी है। मिर्ची प्लस को दिए अपने हालिया इंटरव्यू में अमाल ने कहा-जनता इस इंडस्ट्री की असलियत अब अच्छी तरह से समझ चुकी है, इतनी अंधेरगर्दी है कि लोगों की लाइफ चली गई। सिंगर ने आगे कहा-सुशांत सिंह राजपूत नहीं हैंडल कर पाए...जो भी उनके साथ हुआ, कुछ इसे हत्या बताते हैं, कुछ इसे आत्महत्या कहते हैं। जो भी हो, आदमी तो चल गया ना। उन्होंने कहा इंडस्ट्री को लेकर ये बात खुलकर आई कि कॉमन मैन की सोच बॉलीवुड को लेकर बदल गई। लोगों ने उन्हें सुनाना शुरू किया कि ये लोग गंदे लोग हैं। मेरे फ्रेंड्स में से कुछ लोग जो बॉलीवुड से बिल्कुल कनेक्टेड नहीं हैं उन्होंने कहना शुरू किया कि इंडस्ट्री बहुत ही घटिया जगह है। मैंने कहा कि अब पता चल रहा है? हम तो बचपन से देख रहे हैं। अमाल मलिक ने आगे कहा-पब्लिकली कभी इंडस्ट्री की इतनी बैंड नहीं बजी जितना सुशांत सिंह राजपूत की मौत ने इनका सब छीन लिया। अच्छे आदमी के साथ गलत हुआ। सालों से लोगों को इतनी अच्छी दिख रही थी इंडस्ट्री, राजेश खन्ना, अमिताभ बच्चन, शाहरुख खान, सलमान खान, अक्षय कुमार...अब उन्होंने सिनेमा के मैजिक पर यकीन करना बंद कर दिया। लोगों को लग रहा है कि घटिया लोग हैं और ये अब लगातार हो गया है...सुशांत सिंह के बाद।

कुली से आमिर खान का फर्स्ट लुक आउट

✦ धुएं के छल्ले उड़ाते एक्टर का इंटेंस लुक देख फैंस की बढ़ी एक्साइटमेंट

साउथ के चर्चित निर्देशक लोकेश कनगराज की अपकमिंग एक्शन थ्रिलर फिल्म कुली को लेकर दर्शकों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है। इसी उत्साह को और बढ़ाते हुए निमार्ताओं ने गुरुवार को फिल्म से सुपरस्टार आमिर खान का पहला लुक और किरदार का नाम आधिकारिक तौर पर जारी कर दिया। ये पोस्ट देखने के बाद वाकई फैंस की उत्सुक्ता काफी बढ़ गई है और वो फिल्म देखने का इंतजार नहीं कर पा रहे हैं। फिल्म का निर्माण कर रही कंपनी सन पिक्चर्स ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर आमिर खान का लुक शेयर करते हुए लिखा कुली की दुनिया से मिलिए आमिरखान से दहा के रूप में। कुली 14 अगस्त से दुनियाभर के आईमैक्स स्क्रीन पर धमाल मचाने के लिए तैयार है।इस पोस्ट के साथ शेयर की गई मोनोक्रोम फोटो में आमिर खान एक रहस्यमय और रफ लुक में नजर आ रहे हैं। उनके हाथ में पाइप है जिससे वे धुआं छोड़ते हुए दिख रहे हैं। उनका यह अंदाज न केवल इंटेंस है बल्कि अब तक के उनके सबसे अलग लुक्स में से एक माना जा रहा है। फिल्म से आमिर खान का फर्स्ट लुक सामने आते ही सोशल मीडिया पर फैंस की प्रतिक्रियाएं आने लगीं। यूजर्स एक्टर के इस लुक की जमकर तारीफ कर रहे हैं। फिल्म में रजनीकांत मुख्य भूमिका में नजर आएंगे, जबकि आमिर खान इस मेगा बजट फिल्म में एक खास कैमियो रोल निभा रहे हैं। कुछ दिन पहले ही सन पिक्चर्स ने फिल्म के हिंदी वर्जन का नाम मजदूर से बदलकर कुली द पावरहाउस कर दिया था। बता दें, फिल्म 14 अगस्त 2025 को दुनिया भर के आईमैक्स थिएटर्स में रिलीज होगी।

सैयारा एल्बम पहली आशिकी फिल्म को मेरा ट्रिब्यूट है!: मोहित सूरी

बहुप्रतीक्षित रोमांटिक फिल्म सैयारा पहली बार यशराज फिल्म्स और मोहित सूरी को एक साथ लेकर आई है कृ दोनों ही अपने-अपने अंदाज में कालजयी प्रेम कहानियों के निर्माण के लिए प्रसिद्ध हैं! सैयारा इन दिनों सबसे बहुप्रतीक्षित युवा रोमांटिक फिल्मों में शुमार हो चुकी है। इस फिल्म ने इस वर्ष का अब तक का सर्वश्रेष्ठ एल्बम दिया है कृ जिसमें फहीम-अर्सलान का टाइटल ट्रैक सैयारा, जुबिन नौटियाल का बर्बाद, विशाल मिश्रा का तुम हो तो, सचेत-परंपरा का हमसफर और अब अरिजीत सिंह एवं मिथुन का धुन शामिल हैं कृ जो भारत के म्यूजिकल चाट्र्स पर छाए हुए हैं! मोहित कहते हैं कि वे खुश हैं कि सैयारा में भारत के सर्वश्रेष्ठ संगीतकारों ने अपना योगदान दिया है और यह भी बताया कि सैयारा का म्यूजिक एल्बम उनके लिए पहली आशिकी फिल्म को ट्रिब्यूट समर्पित है, जिसने उन्हें संगीत में गहरी दिलचस्पी लेने के लिए प्रेरित किया। महेश भट्ट द्वारा निर्देशित और राहुल रॉय एवं अनु अग्रवाल अभिनीत आशिकी एक ब्लॉकबस्टर थी, जिसकी संगीत ने पूरे देश को दीवाना बना दिया था।सैयारा एल्बम मेरी उन सभी रोमांटिक एल्बम्स को ट्रिब्यूट है जिन्हें मैं हमेशा पसंद करता आया हूं। लेकिन यह विशेष रूप से पहली आशिकी को समर्पित है, जिसके संगीत ने मुझे मंत्रमुग्ध कर दिया था। मुझे समझ में नहीं आया था कि क्या हुआ, पर मैं संगीत से प्रेम में पड़ गया... और वह प्रेम कहानी हर फिल्म के साथ अब तक चल रही है। वाईआरएफ ने अपने 50 सालों के इतिहास में यश चोपड़ा और आदित्य चोपड़ा के निर्देशन में कई कालजयी प्रेम कहानियां दी हैं। अब मोहित सूरी के साथ वाईआरएफ एक युवा और गहन प्रेम कहानी लेकर आया है कृ जो रोमांस शैली को बॉक्स ऑफिस पर फिर से एक बड़ी वापसी का मौका दे सकती है। ट्रेड विश्लेषकों का मानना है कि वाईआरएफ और मोहित सूरी की यह जोड़ी रोमांटिक शैली को फिर से मजबूत बनाने की सबसे बड़ी उम्मीद है।मोहित कहते हैं बहुत कम होता है कि देश की सबसे बेहतरीन संगीत प्रतिभाएं एक ही फिल्म के एल्बम का हिस्सा बनें और मैं बहुत खुश हूं कि सैयारा में भारत के सबसे उम्दा संगीतकारों ने अपना दिल और आत्मा इस एल्बम में डाला है। मुझे उम्मीद है कि यह एल्बम समय की कसौटी पर खरा उतरेगा। लोग एक अच्छी प्रेम कहानी देखना चाहते हैं और मेरी आशा है कि सैयारा उन्हें पूरे दिल से मनोरंजन देगा। संगीत हमेशा दर्शकों को सिनेमाघरों तक खींचता है और मुझे लगता है हमने वो काम कर दिखाया है। वे आगे जोड़ते हैं दुनिया के सबसे ज्यादा फॉलो किए जाने वाले गायक अरिजीत सिंह से लेकर मिथुन, तनिष्क बागची, जुबिन नौटियाल, विशाल मिश्रा, सचेत-परंपरा, कश्मीर के फहीम और अर्सलान, और गीतों के जादूगर इरशाद कामिल तक कृ इससे बड़ा संगीत संयोजन और क्या हो सकता है? दर्शकों की प्रतिक्रिया बता रही है कि उन्होंने एल्बम को दिल से पसंद किया है।

कपल्स ध्यान दें! शादी के पहले साल इन पांच बड़ी समस्याओं से होगा आपका सामना

इस लेख में ऐसी उन पांच सबसे आम चुनौतियों के बारे में बताया जा रहा है, जिनका सामना लगभग हर नवविवाहित जोड़ा करता है। इन समस्याओं को समझकर पहले से ही मानसिक तौर पर इनके लिए तैयार रहें और साथ ही आसान समाधान जानकर आने वाली चुनौतियों का सामना करें।

शादी महज दो लोगों का रिश्ता नहीं है, बल्कि दो अलग संस्कृतियों, आदतों, विचारों और अपेक्षाओं का मिलन भी है। शादी के शुरूआती समय को कपल के लिए हनीमून पीरियड माना जाता है, लेकिन प्यार और नएपन के अहसास के साथ ही शादी के पहले साल में कई छोटे-बड़े झगड़ें और गलतफहमियां भी हो सकती हैं। यही वजह है कि शादी का पहला साल "अ्भ्४२ेईल्ल३ ीं१ " कहलाता है, यानी सामंज्य व समन्वय बनाने का साल होता है। शादी से पहले भावी दूल्हा और दुल्हन कई सारे सपने देख लेते हैं। उन्हें लगता है कि शादी के बाद वह अपने जीवनशाथी के साथ एक प्यारभरा वक्त बिताएंगे। अपने हनीमून पीरियड को एन्जॉय करेंगे। लेकिन उन्हें उन ये पता होना चाहिए कि प्यार के साथ ही पहले साल में चुनौतियां भी आएंगी। इस लेख में ऐसी उन पांच सबसे आम चुनौतियों के बारे में बताया जा रहा है, जिनका सामना लगभग हर नवविवाहित जोड़ा करता है। इन समस्याओं को समझकर पहले से ही मानसिक तौर पर इनके लिए तैयार रहें और साथ ही आसान समाधान जानकर आने वाली चुनौतियों का सामना करें।

अपेक्षा बनाम वास्तविकता का टकराव

शादी के बाद सबसे पहली चुनौती यह होती है कि हर पार्टनर से पहले से ही कुछ सपने बुन लिए होते हैं। लेकिन जब रोजमर्रा की जिंदगी शुरू होती है तो ये कल्पनाएं टूटने लगती हैं। ग्वालियर की पूनम कहती हैं कि उनकी शादी दिल्ली में नौकरी कर रहे हिमांशु के साथ तय हुई तो उन्होंने सोचा कि वह पूरा दिल्ली घूम लेंगी। इंस्टा रील पर दिखने वाले खूबसूरत कैफे जाएंगी। लेकिन जब वह दिल्ली आईं तो ससुराल और घर की जिम्मेदारी में उलझ गईं। शादी के पहले दो महीने तो उनके मन के मुताबिक रहे लेकिन धीरे-धीरे महीने में एक बार भी पति के साथ बाहर घूमने जाना मुश्किल होने लगा। उन्हें लगने लगा कि ऐसा कुछ तो उन्होंने अपनी शादी को लेकर सोचा ही नहीं था। शादी को लेकर सपने बुनना, उम्मीद रखना गलत नहीं ,लेकिन उन अपेक्षाओं का टकराव जब वास्तविकता से होता है तो रिश्ते में तनाव आना स्वाभाविक है। अगर ऐसी स्थिति से आपका सामना हो तो परेशान होने के बजाय पार्टनर से खुलकर बात करें। हर चीज की सहमति जरूरी नहीं लेकिन समझदारी जरूरी है।

घर के काम और जिम्मेदारियों का बंटवारा

शादी के बाद पति और पत्नी दोनों के जीवन में बदलाव आता है। उनके ऊपर घर-परिवार की जिम्मेदारी आ जाती है, साथ ही काम भी बढ़ जाता है। अभी तक घर के बच्चों की तरह रह रहे दो लोग जब मिलकर जिम्मेदारियों और काम का बंटवारा करते हैं तो कुछ मनमुटाव संभव है। लड़के को लगता है कि वह परिवार की पूरी जिम्मेदारी उठा रहा है और वहीं पत्नी को लगता है कि वह घर के सारे काम अकेले कर रही है। इस तरह के विचारों के कारण अक्सर कुछ डायलॉग आम हो जाते हैं, जैसे तुमने क्यों नहीं किया?, मैं ही हमेशा क्यों करूं शादी से पहले मानसिक तौर पर तैयार रहें कि आपको जीवनसाथी के प्यार और समर्थन के साथ ही जिम्मेदारियों और काम भी संभालने होंगे। वह भी बिना इस अपेक्षा कि पार्टनर आपसे कम या ज्यादा जिम्मेदारी उठाए। इस तरह की समस्या का सामना करने के लिए कपल को हर हफ्ते अपने कामों का बंटवारा प्लान कर लेना चाहिए और टीम की तरह काम करना चाहिए।

ससुराल या माता-पिता के साथ तालमेल

शादी के बाद अपने पार्टनर के परिवार से तालमेल बैठाना आसान नहीं होता। कपल एक दूसरे के करीब तो आ जाते हैं लेकिन एक-दूसरे के माता-पिता को अपने परिवार की तरह समझने में वक्त लगाते हैं। जीवनसाथी के माता-पिता और अपने अभिभावक दोनों को समान सम्मान और प्रेम देना लड़का और लड़की दोनों के लिए चुनौती बन जाता है। उनके तालमेल न बैठा पाने का असर जीवनसाथी के विचारों पर भी होता है और शिकायतें जन्म लेती हैं। विवाद की स्थिति से बचने के लिए सहनशील बनें। जीवनसाथी अगर ये उम्मीद करे कि आप उनके माता पिता को अपनाएं लेकिन आपके लिए यह आसान नहीं है तो अपने पक्ष को प्यार से समझाएं। परिवारों को एक करने की कोशिश करें और पार्टनर के साथ उनके परिवार को अपनाने के लिए भी तैयार रहें।

पैसे और खर्चों को लेकर बहस

दोनों नौकरीपेशा हों या कपल में कोई एक कामकाजी हो, दोनों ही स्थिति में पैसों और खर्च को लेकर बहस स्वाभाविक है। अक्सर शादी के कुछ महीनों बाद झगड़ों का एक कारण इस तरह के सवाल होते हैं, पैसे कहां गए?, इतना क्यों खर्च किया? अब क्या पूछ कर खर्च करूं?, मेरी भी कुछ जरूरतें हैं? आदि। इन मुद्दों पर होने वाले झगड़े रिश्ते में दूरी ला सकते हैं। पैसों और घर खर्च को लेकर आने वाली चुनौतियों का सामना करने के लिए बजट बनाएं और वित्तीय लक्ष्य मिलकर तय करें, ताकि उसी के अनुरूप खर्च कर पाएं।

संवाद की कमी

नई शादी में गलतफहमियां होना सामान्य है। यह गलतफहमी संवाद की कमी के कारण हो सकती ह। कई बार लोग अपने पार्टनर से खुलकर बात करने में कतराते हैं।

उन्हें समझ नहीं आता कि पार्टनर को कौन सी बात बुरी लग सकती है, इस कारण वह अपनी बात या विचार पार्टनर के समक्ष नहीं रख पाते। पार्टनर भी ये समझ नहीं पाता कि उनके साथी के मन में क्या चल रहा है। संवाद की यही कमी उन्के लिए एक दूसरे को समझने में मुश्किल खड़ी करती है और बाद में गलतफहमी का रूप ले लेती है। शादी के बाद रोज 10 मिनट नो फोन टाइम तय करें, जिसमें सिर्फ कपल एक दूसरे से बातचीत करें।

बूस्टर वैक्सीनेशन को लेकर अध्ययन में सामने आई महत्वपूर्ण जानकारियां, आप भी जानिए

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते रहे हैं कि कोरोना वायरस लगातार हमारे बीच बना हुआ है, ऐसे में इससे सुरक्षित रहने के लिए उच्च जोखिम वाले लोगों को सालाना बूस्टर वैक्सीन देनी चाहिए।

जामा नेटवर्क जर्नल में प्रकाशित अध्ययन में वैज्ञानिकों की टीम ने बूस्टर वैक्सीन को लेकर कुछ महत्वपूर्ण जानकारियां साझा की हैं, जिसके बारे में सभी लोगों को जरूर जानना चाहिए।

साल 2019-20 से दुनियाभर में जारी कोरोना महामारी पांच साल बीत जाने के बाद अब भी खत्म नहीं हुई है। मई-जून के दौरान भारत सहित कई देशों में कोरोना की हल्की ही सही, एक और लहर देखी गई, फिलहाल ये काफी कंट्रोल में है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, वैक्सीनेशन जैसे प्रभावी उपायों के चलते संक्रमण की रफ्तार को समय रहते न सिर्फ नियंत्रित कर लिया गया, बल्कि इसने मौत के खतरे

को भी काफी कम किया। हालांकि टीकाकरण की शुरूआत से ही वैक्सीन की प्रभाविकता और इसके साइड-इफेक्ट्स को लेकर तरह-तरह के प्रश्न उठते रहे हैं इसको लेकर हाल ही में स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा है कि कोविड वैक्सीन इस खतरनाक संक्रमण को रोकने और इससे होने वाली जटिलताओं को कम करने में प्रभावी रही है। कोरोना महामारी के बाद से बढ़े हृदय रोग के मामलों के लिए वैक्सीनेशन को एक कारण माना जा रहा था, हालांकि विशेषज्ञों ने इसपर भी स्पष्ट किया है कि अचानक हो रहीं मौतों की देश की विभिन्न एजेंसियों ने जांच की है और जांच में पाया गया है कि इनका कोरोना वैक्सीन से कोई सीधा संबंध नहीं हैं इसके इतर वैश्विक स्तर पर स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते रहे हैं कि कोरोना वायरस लगातार हमारे बीच बना हुआ है, ऐसे में इससे सुरक्षित रहने के लिए उच्च जोखिम वाले लोगों को सालाना बूस्टर वैक्सीन देनी चाहिए।

कोविड बूस्टर वैक्सीन को लेकर अध्ययन

हाल में किए गए अध्ययन में पाया गया है कि सभी उम्र के वयस्कों में, सिंगल डोज की कोविड बूस्टर वैक्सीन भी गंभीर बीमारी के खिलाफ अतिरिक्त सुरक्षा प्रदान करने के लिए काफी है।

साल 2023-24 कोविड सीजन के दौरान लगभग 500,000 वयस्कों के डेटा का विश्लेषण किया गया। इस अध्ययन में पाया गया कि 65 वर्ष और उससे अधिक उम्र के लोगों के लिए, दूसरी खुराक ने गंभीर बीमारी के खिलाफ बेहतर सुरक्षा प्रदान की। ये निष्कर्ष इसलिए महत्वपूर्ण हैं क्योंकि ये सवाल लगातार लोगों के मन में बना हुआ है कि क्या सभी लोगों को नियमित रूप से बूस्टर वैक्सीनेशन कराते रहना चाहिए?

जामा नेटवर्क जर्नल में प्रकाशित अध्ययन की रिपोर्ट में वैज्ञानिकों की टीम ने बूस्टर वैक्सीन को लेकर कुछ महत्वपूर्ण जानकारियां साझा की हैं, जिसके बारे में सभी लोगों को जरूर जानना चाहिए।अध्ययन की रिपोर्ट में वैज्ञानिकों की टीम ने सभी लोगों को, विशेषकर उच्च जोखिम वालों को सालाना कोविड वैक्सीनेशन कराते रहने की सलाह दी है। कोविड बूस्टर वैक्सीन आपको कोरोना संक्रमण और इसके कारण होने वाले जोखिमों से अतिरिक्त सुरक्षा देती है। बूस्टर शॉट लेने वाले वयस्कों को संक्रमण के दौरान इमरजेंसी में भर्ती होने का जोखिम 24% कम था, वहीं जिन लोगों को बूस्टर वैक्सीन नहीं मिला उनमें ये खतरा बना हुआ था।बूस्टर वैक्सीन ने अस्पताल में भर्ती होने और मृत्यु के जोखिम को 48% तक कम कर दिया।बूस्टर वैक्सीन लेने के बाद दो महीनों के दौरान आप सबसे अधिक सुरक्षित रहते हैं।

शुभमन गिल को कोच गंभीर ने दी थी ये सलाह, कप्तान ने किया खुलासा

बोले- शुरूआत में कर रहा था संघर्ष

एजेंसी

नई दिल्ली। इंग्लैंड के खिलाफ शानदार पारी के बाद गिल ने बताया कि किस तरह उन्हें शुरूआत में रन बनाने के लिए संघर्ष करना पड़ रहा था और वह नियमित रूप से बाउंड्री भी नहीं लगा पा रहे थे।भारतीय टेस्ट टीम के कप्तान शुभमन गिल ने शानदार पारी खेलने के बाद खुलासा करते हुए बताया कि उन्हें मुख्य कोच गौतम गंभीर ने सलाह दी थी जिससे उन्हें मदद मिली। गिल के दोहरे शतक के दम पर भारत इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच की पहली पारी में बड़ा स्कोर बनाने में सफल रहा। गिल ने 269 रन बनाए।

यह किसी भारतीय कप्तान का टेस्ट में सर्वोच्च स्कोर है। गिल की शानदार पारी के दम पर भारत ने पहली पारी में 587 रन बनाए। शानदार पारी के बाद गिल ने बताया कि किस तरह उन्हें शुरूआत में रन बनाने के लिए संघर्ष करना पड़ रहा था और वह नियमित रूप से बाउंड्री भी नहीं लगा पा रहे थे। गिल ने बताया कि उन्होंने इस बारे में गंभीर से बात की थी और उन्होंने कोच से कहा था कि जब भी वह शॉट खेल रहे हैं, उन्हें फील्डर तैनात मिल रहे हैं। इस पर गंभीर ने गिल से कहा था कि वह क्रीज पर टिके रहें जिससे रन अपने आप बनेंगे। गिल ने कहा, जब मैं पहले दिन बल्लेबाजी के लिए आया तो मैं खुद को मैच में ढालने की कोशिश कर रहा था। 100 गेंदें खेलने के बाद टी ब्रेक के करीब मैं 35-40 रन पर था। मैं ड्रेसिंग रूम में गया और मैंने गंभीर भाई से कहा कि मैं बाउंड्री नहीं निकाल पा रहा हूं और हर जगह फील्डर तैनात मिल रहे हैं। उन्होंने मुझसे कहा कि बस क्रीज पर जमे रहो। मौजूदा सीरीज में गिल जिस तरह से अपनी बल्लेबाजी तकनीक का प्रयोग कर रहे हैं वो देखना दिलचस्प है। गिल ने आईपीएल 2025 सत्र के दौरान ही लाल गेंद क्रिकेट पर ध्यान देना शुरू कर दिया था। गिल ने कहा कि वह ध्यान केंद्रित करने पर ज्यादा मेहनत कर रहे थे और सीरीज में अधिक मौके बनाना चाहते हैं। गिल ने कहा, आईपीएल के अंत में मैंने अपनी तकनीक पर काम किया। मैंने शुरूआती मूवमेंट और स्टांस पर काम किया।

मैं अच्छी बल्लेबाजी कर रहा था, लेकिन 30-40 रन बनाकर आउट हो जा रहा था, इसलिए मैं बस अपनी बल्लेबाजी का आनंद लेना चाहता हूं। मैंने काफी मेहनत की और फैसला लिया कि सीरीज में अधिक मौके बनाने की कोशिश करूंगा। गिल ने इस बात को स्वीकार किया कि टी20 से टेस्ट प्रारूप में ढलना आसान नहीं है और उन्होंने मानसिकता के प्रति काम करना शुरू कर दिया था। गिल ने बताया कि उन्होंने आईपीएल 2025 से ही सीरीज की तैयारियां शुरू कर दी थी। गिल ने कहा, टी20 से लाल गेंद के प्रारूप में आना कठिन काम है। आपको अपनी मानसिकता पर काम करना पड़ता है, लेकिन टेस्ट के लिए मैंने आईपीएल से ही तैयारियां शुरू की।

अमेरिका ने चीन को दी राहत, सॉफ्टवेयर निर्यात प्रतिबंध हटाया

एजेंसी

नई दिल्ली। अमेरिका- चीन व्यापार वार्ता के बाद दोनों देशों के बीच संबंध सुधरते हुए दिखाई दे रे हैं। अमेरिका ने चिप डिजाइन सॉफ्टवेयर के निर्यात पर लगाए गए प्रतिबंध को हटाने का फैसला किया है। मई में जब बीजिंग ने दुर्लभ धातुओं के निर्यात को सीमित करने का फैसला लिया था ,तब अमेरिका ने प्रतिशोध में चिप डिजाइनिंग टूल्स की बिक्री पर रोक लगाई थी।अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चीन को रहात देते हुए चिप डिजाइन सॉफ्टवेयर के निर्यात पर लगाए गए प्रतिबंध हटा दिए हैं। यह कदम हाल ही में लंदन में हुई व्यापार वार्ता के तहत दोनों देशों के बीच तनाव को कम करने के लिए उठाया गया है। सभी तीन प्रमुख चिप डिजाइन सॉफ्टवेयर कंपनियों- सिनोप्सिस, कैडेंस और सीमेंस ने बताया कि उन्हें अमेरिकी वाणिज्य विभाग से मई में लगाए गए प्रतिबंधों के हटाए जाने की सूचना दी गई है। चीनी सरकारी समाजार एजेंसी शिन्हुआ की एक रिपोर्ट के अनुसार, तीनों कंपनियां चीन के इलेक्ट्रॉनिक डिजाइन ऑटोमेशन (एज्ञ) बाजार के 70 प्रतिशत हिस्से को नियंत्रित करती हैं। मई में जब बीजिंग ने दुर्लभ धातुओं के निर्यात को सीमित करने का फैसला लिया था ,तब अमेरिका ने प्रतिशोध में चिप डिजाइनिंग टूल्स की बिक्री पर रोक लगाई थी। इसके बाद उस महीने की शुरूआत में जिनेवा में व्यापार युद्धविराम के बाद दोनों देशों के बीच तनाव फिर से बढ़ गया था। अमेरिकी कंपनी कैडेंस और सिनोप्सिस ने कहा है कि वे चीन में पहले प्रतिबंधित सॉफ्टवेयर की पहुंच बहाल करने की प्रक्रिया में हैं। वहीं, सिनोप्सिस ने अपने सॉफ्टवेयर और तकनीक की पूरी पहुंच फिर से बहाल कर दी है और चीन में बिक्री और समर्थन दोबारा शुरू कर दिया है। विशेषज्ञों के अनुसार चिप-डिजाइनिंग सॉफ्टवेयर या ईडीए सॉफ्टवेयर पर वाशिंगटन के निर्यात नियंत्रण से चीन के सेमीकंडक्टर उद्योग पर विनाशकारी प्रभाव पड़ेगा क्योंकि वे नए माइक्रोचिप्स बनाने के लिए आवश्यक हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक ट्रंप प्रशासन ने अमेरिकी इथेन उत्पादकों को भी चीन को निर्यात फिर से शुरू करने की अनुमति दे दी है।

गिल की बल्लेबाजी को गांगुली ने सराहा, जमकर की तारीफ

'इंग्लैंड में खेली सर्वश्रेष्ठ टेस्ट पारी'

एजेंसी

नई दिल्ली। गांगुली ने गिल की तारीफ करते हुए कहा कि ये इंग्लैंड में खेली गई सर्वश्रेष्ठ टेस्ट पारी है जो उन्होंने देखी है।

भारतीय टीम के पूर्व ऑलराउंडर युवराज सिंह ने भी गिल की जमकर प्रशंसा की।भारतीय टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने भारतीय टेस्ट कप्तान शुभमन गिल की जमकर सराहना की है। गिल ने इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच की पहली पारी में दोहरा शतक लगाया और 269 रन बनाए जिससे भारत पहली पारी में 587 रन खड़ करने में सफल रहा। गिल के टेस्ट करियर की यह सर्वश्रेष्ठ पारी है जिसे देखकर गांगुली भी तारीफ करने से खुद को नहीं रोक पाए हैं। गांगुली ने गिल की तारीफ करते हुए कहा कि ये इंग्लैंड में खेली गई सर्वश्रेष्ठ टेस्ट पारी है जो उन्होंने देखी है। गांगुली ने कहा, गिल की बेहतरीन पारी। इंग्लैंड में किसी भी समय में मैंने जितनी भी पारियां देखी हैं, उनमें से यह सबसे बेहतरीन है। पिछले कुछ महीनों में बहुत सुधार हुआ है। शायद टेस्ट क्रिकेट में ओपनिंग करना उनकी जगह नहीं थी। भारत के लिए टेस्ट मैच जीतना जरूरी है।भारतीय टीम के पूर्व ऑलराउंडर युवराज सिंह ने भी गिल की जमकर प्रशंसा की। उन्होंने एक्स पर लिखा, शुभमन गिल को सलाम! बड़े मंच पर सब कुछ इतना आसान बना दिया! शानदार खेला और दोहरे शतक के हकदार थे, यह उदाहरण है कि जब इरादा साफ हो तो आपको कोई नहीं रोक सकता।इस सीरीज में गिल शानदार फॉर्म में चल रहे हैं और वह तीन पारियों में 424 रन बना चुके हैं। गिल ने लीड्स टेस्ट में 147 रन की पारी खेली थी और अब एजबेस्टन में दोहरा शतक लगाया। गिल ने 387 गेंदों की अपनी पारी में 30 चौके और तीन छक्के लगाए।

गिल की शानदार पारी के दम पर भारत पहली पारी में 587 रन बनाने में सफल रहा। गिल के अलावा रवींद्र जडेजा और सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने अर्धशतक लगाए। गिल और जडेजा ने शानदार बल्लेबाजी की और छठे विकेट के लिए 203 रन जोड़े।

इसके बाद गिल ने वॉशिंगटन सुंदर के साथ पारी आगे बढ़ाई और अपने करियर का पहला दोहरा शतक लगाया। दूसरे दिन के खेल की समाप्ति तक इंग्लैंड ने पहली पारी में तीन विकेट पर 77 रन बनाए हैं और वह अभी भारत से 510 रन पीछे चल रहा है।

देश में स्टारलिंक के साथ अब वायसैट की एंट्री

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत में स्टारलिंक लिंक जल्द लांच होने जा रहा है। केंद्र सरकार की तरफ से एलन मस्क की कंपनी को सर्विस शुरू होने की हरी झंडी मिल गई है। केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने बुधवार को एक कार्यक्रम में कहा कि स्पेस एक्स की स्टारलिंक की तरफ से भारत में सर्विस शुरू करने की सभी जरूरी प्रक्रियाएं पूरी कर ली गई हैं। रेगुलेटरी और लाइसेंसिंग अप्रूवल मिलने के बाद

वे भारत में अपनी सैटेलाइट सर्विस शुरू कर सकते हैं। इसी बीच अमेरिकी सैटेलाइट कम्युनिकेशन कंपनी वायसैट भी भारत में अपनी सेवाएं शुरू करने जा रही है। वायसैट ने यह कदम ऐसे समय उठाया, जब स्टारलिंक देश में लांच के बेहद करीब है।वायसैट एक वैश्विक संचार कंपनी है जो उपग्रह-आधारित इंटरनेट और अन्य कनेक्टिविटी सेवाएं प्रदान करती है। यह विशेष रूप से उन क्षेत्रों में कनेक्टिविटी प्रदान करने पर केंद्रित है जहां पारंपरिक ब्रॉडबैंड उपलब्ध नहीं है। जानकारी के मुताबिक, वायसैट भारत में एविशन, मरीन, डिफेंस और प्राइवेट बिजनेस सेक्टर में अपनी सैटेलाइट सेवा का विस्तार कर रही है। कंपनी ने इस सेवा को शुरू करने के लिए भारत सरकार की सरकारी टेलीकॉम कंपनी बीएसएनएल के साथ साझेदारी की है। कंपनी बीएसएनएल के मौजूदा लाइसेंस के तहत काम करेगी और साथ मिलकर डायरेक्ट-टू-डिवाइस सैटेलाइट सेवाएं भी लॉन्च करेगी। शुरूआती दौर में वायसैट की सेवा के जरिए दो-तरफा मैसेजिंग की सुविधा मिलेगी। भविष्य में इसमें फुल इंटरनेट कनेक्टिविटी भी जोड़ी जाएगी। इस साझेदारी के बाद बीएसएनएल देश की पहली सरकारी टेलीकॉम कंपनी बन सकती है जो सैटेलाइट कम्युनिकेशन सेवा देगी।

भारतीय फुटबॉल टीम के नए कोच के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू, मनोलो मार्केज ने हाल ही में दिया था इस्तीफा

एजेंसी

नई दिल्ली। एआईएफएफ ने अपनी वेबसाइट पर लिखा, 'सीनियर पुरूष

राष्ट्रीय टीम का नया मुख्य कोच एआईएफएफ महासचिव को रिपोर्ट करेगा और सभी मैचों और टूनार्मेंटों में टीम के प्रदर्शन के लिये जवाबदेह होगा।'अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) ने खराब फॉर्म से जूझ रही पुरूष टीम के नये मुख्य कोच की तलाश शुरू कर दी है और आवेदन करने की आखिरी तारीख 13 जुलाई है। स्पेन के मानोलो मारकेज के जाने के बाद नये कोच की तलाश शुरू की गई। मारकेज ने एआईएफएफ के साथ आपसी सहमति से अलग होने का फैसला किया। वह पिछले साल ही टीम से जुड़े थे।एआईएफएफ ने अपनी वेबसाइट पर लिखा, 'सीनियर पुरूष राष्ट्रीय टीम का नया मुख्य कोच एआईएफएफ महासचिव को रिपोर्ट करेगा और सभी मैचों और टूनार्मेंटों में टीम के प्रदर्शन के लिये जवाबदेह होगा। मुख्य कोच राष्ट्रीय टीम विभाग, राष्ट्रीय टीम निदेशक और तकनीकी निदेशक के साथ मिलकर काम करेगा।'इसके लिये युवा और सीनियर स्तर पर दस से 15 साल कोचिंग का अनुभव जरूरी है। लचीले, कुशल और संसाधन संपन्न होने की सामान्य आवश्यकताओं के अलावा एआईएफएफ यह भी चाहता है कि अगले कोच को संबंधों के प्रबंधन में अच्छा अनुभव हो, जरूरतों को समझने, सांस्कृतिक संवेदनशीलता और मीडिया और प्रायोजकों सहित एआईएफएफ भागीदारों के साथ काम करने का अनुभव हो।

डीपीएल के आगामी सत्र के लिए पुरानी दिल्ली 6 ने किया ऋषभ पंत को रिटेन

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ (डीडीसीए) ने आधिकारिक तौर पर दिल्ली प्रीमियर लीग में दो नयी पुरुष फ्रेंचाइजी को शामिल करने की घोषणा की है। इसमें आउटर (बाहरी) दिल्ली और नयी दिल्ली फ्रेंचाइजी 2025 सत्र में डेब्यू करेगी जिससे लीग छह से आठ टीमों की हो जाएंगी।भारतीय टेस्ट टीम के उपकप्तान ऋषभ पंत दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) के आगामी सत्र के लिए पुरानी दिल्ली 6 के साथ बने रहेंगे लेकिन राष्ट्रीय टीम के कार्यक्रम को देखते हुए वह किसी भी मैच के लिए उपलब्ध होंगे या नहीं, यह एक बड़ा सवाल है। पंत लीग में युवा टी20 सितारों के बीच आकर्षण का केंद्र हैं जिन्होंने पिछले साल शुरूआती चरण में एक मैच खेला था।फ्रेंचाइजी ने विज्ञप्ति में कहा, 'पुरानी दिल्ली 6 ने आगामी सत्र के लिए स्टार विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत को बरकरार रखने की आधिकारिक घोषणा की है। पंत को मार्की खिलाड़ी के रूप में रिटेन किया गया है।' इस विज्ञप्ति में पंत के हवाले से कहा गया, 'डीपीएल से देश में कई खिलाड़ी निकले हैं जैसे दिग्वेश राठी और प्रियांश आर्य। पुरानी दिल्ली 6 को पिछले साल के शानदार सत्र के बाद इस साल और भी मजबूत होकर लौटने की उम्मीद है।

नेशनल डॉक्टर डे इंडियन ह्यूमन राइट्स ने पूर्वोत्तर रेलवे मेडिकल डायरेक्टर का किया सम्मान

गोरखपुर। नेशनल डॉक्टर डे के अवसर पर इंडियन ह्यूमन राइट्स सदस्यों ने पूर्वोत्तर रेलवे मेडिकल डायरेक्टर मो ० अशर अली खान को शॉल एवं पत्रिका देकर किया सम्मानित इस अवसर पर इंडियन ह्यूमन राइट्स महासचिव एस ०एन ० शाहब एडवोकेट आरिफ खान, मु ०अब्दुल्लाह, फरहान अहमद आदि उपस्थित रहे।

वृक्ष हमारी संस्कृति का अभिन्न अंग पर्यावरण का संतुलन बनाये रखने के लिए वृक्षारोपण जरूरी:संतोष त्रिपाठी

हर पौधा बने पेड़, हर व्यक्ति बने प्रहरी के संकल्प के साथ कैंब्रिज हाई स्कूल एंड कॉलेज में किया गया वृक्षारोपण

प्रयागराज। वन महोत्सव के अंतर्गत शंकरगढ़ नगर क्षेत्र के कैंब्रिज हाई स्कूल एंड कॉलेज में "हर पौधा बने पेड़, हर व्यक्ति बने प्रहरी" के संकल्प के साथ वृक्षारोपण का आयोजन किया गया। प्रबंधक संतोष त्रिपाठी ने कहा कि वृक्ष हमारी संस्कृति का अभिन्न अंग है और स्वच्छ पर्यावरण और पृथ्वी पर पर्यावरण संतुलन हेतु आवश्यक है। स्वैच्छिक रूप से वृक्षारोपण कर वृक्षारोपण अभियान को सफल करने का आह्वान किया और साथ ही जोर दिया की वृक्षों को लगाने के साथ-साथ उनकी रक्षा भी करनी होगी। विद्यालय के वरिष्ठ शिक्षक मनी शंकर दुबे ने कहा कि पर्यावरण को बचाने के लिए हर नागरिक को एक पौधा अवश्य लगाना चाहिए ताकि पृथ्वी पर प्राकृतिक संतुलन बना रहे।

इस अवसर पर विद्यालय के प्रशासनिक अधिकारी बालेंद्र पांडे, मनी शंकर दुबे,मनोज तिवारी, इमरान अहमद, धर्मराज कुशवाहा,पंकज श्रीवास्तव, राजेश गोस्वामी, पंकज मिश्रा, अखिलेश पांडेय, नरेश श्रीवास्तव, अनुभव पांडेय, राजेश गोस्वामी, मीरा श्रीवास्तव, रीना गोस्वामी, वंदना शुक्ला,रीतू सुसारी, सोमवती विश्वकर्मा,सिम्मी गुप्ता, मधु केसरवानी, प्रीति सेन, निहारिका सेन,अंजू गुप्ता,सीमा सिंह,कोमल त्रिपाठी आदि शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित रही।

लॉटरी व्यवस्था पर मायावती का तीखा हमला, केंद्र सरकार से की मांग

लखनऊ (संवाददाता)। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की अध्यक्ष मायावती ने पटना विश्वविद्यालय के पांच कॉलेजों

में लॉटरी के जरिए प्राचार्यों की नियुक्ति किए जाने की निंदा करते हुए केंद्र सरकार से इस विकृत प्रयोग का संज्ञान लेकर जल्द से जल्द कार्रवाई की मांग की है। मायावती ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक लंबी पोस्ट में बिहार में लॉटरी के जरिए प्राचार्यों की नियुक्ति किये जाने की आलोचना की। उन्होंने कहा, बिहार के प्रसिद्ध पटना विश्वविद्यालय के पांच प्रतिष्ठित कालेजों में लाटरी की नयी व्यवस्था के तहत प्रिन्सिपलों की नियुक्ति का मामला दिलचस्प होने के कारण देश भर, खासकर मीडिया व शिक्षा जगत में काफी चचाओं में है। मायावती ने कहा, स्थापित परम्परा से हटकर लाटरी के जरिए नियुक्ति की विचित्र व्यवस्था लागू करने के कारण केवल कला (आर्ट्स) विषयों की पढ़ाई वाले 1863 में स्थापित पटना कॉलेज में कैमिस्ट्री के प्राध्यापक प्रोफेसर अनिल कुमार प्राचार्य बन गये हैं। उन्होंने दावा किया, बिहार विश्वविद्यालय में गृह विज्ञान की प्राचार्य प्रोफेसर अल्का यादव, विज्ञान की उच्च शिक्षा के लिए प्रख्यात पटना साइन्स कॉलेज की नयी प्रिन्सिपल नियुक्त हुयी हैं। उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि इसी प्रकार की नियुक्ति वाणिज्य महाविद्यालय में भी हुई है जहां पहली बार कला संकाय की महिला प्राध्यापक डॉ. सुहेली मेहता प्राचार्य बन गई, हालांकि उनके विषय की पढ़ाई यहां इस कालेज में नहीं होती है।उन्होंने कहा, साथ ही, महिला शिक्षा जगत में प्रसिद्ध मगध महिला कॉलेज को लम्बे इतिहास में दूसरी बार पुरुष प्रिन्सिपल मिले हैं। प्रोफेसर एन. पी. वर्मा यहां के नये प्राचार्य होंगे जबकि प्रोफेसर योगेन्द्र कुमार वर्मा की लॉटरी पटना लॉ कालेज के प्रिन्सिपल के रूप में निकली है। बसपा प्रमुख ने कहा, इसको लेकर लोगों में उत्सुकता है कि पारदर्शिता व तटस्थता के नाम पर बिहार सरकार व वहां के चांसलर (कुलाधिपति) द्वारा इस प्रकार लॉटरी के माध्यम से की गयी प्रिन्सिपल की नियुक्तियों को सही ठहराकर क्या इस व्यवस्था को भाजपा-शासित अन्य राज्यों में भी लागू किया जाएगा ?मायावती ने इस प्रयोग को उच्च शिक्षा व्यवस्था में खराबी पैदा करने वाला बताते हुए कहा, वास्तव में कॉलेजों के प्रिन्सिपल जैसे महत्वपूर्ण पद पर भी पूरी पारदर्शिता, तटस्थता व ईमानदारी के साथ नियुक्ति नहीं कर पाने की अपनी विफलताओं को छिपाने के लिए ही ऐसा घातक प्रयोग करना लोगों की नजर में उच्च शिक्षा व्यवस्था को सुधार का कम, खराब करने वाला ज्यादा प्रतीत होता है।उन्होंने कहा, इसी प्रकार, इस परम्परा को अपना कर आगे चलकर मेडिकल कालेजों, आईआईटी व अंतरिक्ष विज्ञान आदि जैसी सांइस की उच्च व विशिष्ट संस्थाओं में भी गैर-विशेषज्ञ नियुक्त किये जायें तो यह ताज्जुब की बात नहीं होनी चाहिए। मयावती ने कहा, वैसे, हमारी पार्टी का यह मानना है कि किसी भी विशिष्ठ क्षेत्र में इस प्रकार के मनमाने विकृत प्रयोग ना किया जाये तो उचित होगा।और इससे पहले कि यह रोग गंभीर होकर और ज्यादा फैले, केन्द्र की सरकार इसका उचित व समुचित संज्ञान लेकर जन व देशहित में जितनी जल्द कार्रवाई करे उतना बेहतर, ऐसी सभी को उम्मीद। एक अभूतपूर्व कदम के तहत, पटना विश्वविद्यालय के पांच कॉलेजों में लॉटरी के जरिए प्राचार्यों की नियुक्ति की गई है। विश्वविद्यालय कुल सचिव की अधिसूचना के अनुसार नए प्राचार्यों की नियुक्तियां बिहार राज्य विश्वविद्यालय सेवा आयोग (बीएसयूएससी) की अनुशंसा पर की गई हैं।राजभवन के सूत्रों ने बृहस्पतिवार को पुष्टि की कि राज्यपाल-सह-कुलाधिपति ने विभिन्न विश्वविद्यालयों में प्राचार्यों की नियुक्ति में अनियमितताओं की पिछली शिकायतों के मद्देनजर लॉटरी प्रणाली के उपयोग का निर्देश दिया है। हालांकि, बिहार के राज्यपाल एवं विश्वविद्यालय के कुलाधिपति आरिफ मोहम्मद खान ने इस कदम का बचाव करते हुए कहा है कि एक ऐसी प्रणाली अपनाई गई है जिसमें प्राचार्य की नियुक्ति व्यक्तिगत पसंद-नापसंद से तय नहीं होती।

सरस्वती शिशु मंदिर पक्कीबाग में परिचयात्मक बैठक संपन्न

गोरखपुर। सरस्वती शिशु मंदिर (10+2) पक्कीबाग, गोरखपुर में एक महत्वपूर्ण परिचयात्मक बैठक संपन्न हुई। इस अवसर पर शिशु शिक्षा समिति, गोरक्ष प्रांत के मंत्री डॉ. शैलेश सिंह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे, जिन्होंने समस्त विद्यालय परिवार से परिचय प्राप्त किया और आगामी शैक्षिक सत्र की तैयारियों पर चर्चा की। बैठक का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। मुख्य अतिथि डॉ. शैलेश सिंह ने विद्यालय परिवार के सदस्यों के साथ व्यक्तिगत रूप से संवाद किया

और उनके कार्यों की सराहना की। इस अवसर पर राजकुमार जी क्षेत्रीय संस्कृति बोध परियोजना प्रमुख पूर्वी उत्तर प्रदेश, एवं प्रांतीय परीक्षा प्रमुख दिवाकर मिश्रा जी, तथा सरस्वती शिशु मंदिर वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सुभाष चंद्र बोस नगर, सूर्य कुण्ड, गोरखपुर के प्रधानाचार्य राजीव श्रीवास्तव जी उपस्थित रहे। अतिथियों का परिचय विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ. राजेश सिंह द्वारा कराया गया, जबकि कार्यक्रम के अंत में प्रथम सहायक रुक्मिणी उपाध्याय जी ने सभी उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों और विद्यालय परिवार के सदस्यों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का समापन शांति मंत्र के साथ हुआ।

एक महिला सहित तीन शराब तस्कर गिरफ्तार

गाजीपुर। शराब तस्करों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत नगसर थाना पुलिस टीम ने 17 पेटी अंग्रेजी शराब (कुल मात्रा 146.88 लीटर) के साथ एक अभियुक्ता सहित तीन अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया। थानाध्यक्ष अभिराज सरोज मय हमराह द्वारा चेकिंग के दौरान ग्राम नगसर मीर राय से तीन अभियुक्त अमित कुमार पुत्र सुबोध निवासी ग्राम बाढ थाना बाढ जिला पटना बिहार, अखिलेश यादव पुत्र कमला राम निवासी

गिन्नी चक बास के टाल चौराहा बैकुण्ठपुर थाना खुसरूपुर जिला पटना बिहार तथा बबिता देवी पत्नी देवानन्द निवासी ग्राम पोकवलिया थाना अवतार नगर जिला छपरा (बिहार) को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से हुण्डई सेंट्रो कार में रखी 17 पेटी अंग्रेजी शराब 8 पीएम पाउच कुल मात्रा 146.88 लीटर व दो मोबाइल फोन बरामद कर लिया। अवैध शराब व गाडी की बरामदगी के सम्बन्ध में थाने पर आबकारी अधिनियम का अभियोग पंजीकृत कर गिरफ्तार अभियुक्तों के विरुद्ध विधिक कार्यवाही की गयी।

ट्रैक्टर-ट्रॉली से टकराई बाइक युवक की मौत, दो साथी गंभीर

गाजीपुर। जिले के भदौरा स्टैंड के पास शुक्रवार देर रात एक तेज रफ्तार बाइक ट्रैक्टर-ट्रॉली से जा भिड़ी। हादसा इतना जबरदस्त था कि बाइक सवार एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए।

घायलों की हालत नाजुक बनी हुई है और उन्हें वाराणसी के लिए रेफर किया गया है। घटना रात बीती करीब 11 बजे की है। दिलदारनगर निवासी प्रमोद कुमार पुत्र जगधर यादव, प्रवीण पाल पुत्र अशोक पाल और टीपू पुत्र इरफान किसी कार्य से लौट रहे थे। भदौरा स्टैंड के समीप उनकी बाइक तेज गति में ट्रैक्टर-ट्रॉली से पीछे से जा टकराई। टक्कर के चलते प्रमोद की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि प्रवीण और टीपू को गंभीर चोटें आईं। घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर देखते हुए उन्हें वाराणसी रेफर कर दिया गया। घटना की जानकारी मिलते ही क्षेत्र में हड़कंप मच गया। मृतक के परिजनों में कोहराम मचा हुआ है।

डॉक्टर्स डे पर डॉक्टर मुश्ताक अली सम्मानित किए गए

धरती के भगवान भगवान माने जाते हैं चिकित्सक लोग: अरुण कुमार श्रीवास्तव

गोरखपुर। डॉक्टर डे, जो डाक्टर विधान चंद राय जो पश्चिम बंगाल के पूर्व मुख्यमंत्री थे के जन्मदिन व पुण्यतिथि के अवसर पर मनाया जाता है पर आयशा हार्ट केयर सेंटर, गोरखनाथ के निदेशक सुप्रसिद्ध हृदय रोग विशेषज्ञ डॉक्टर मुस्ताक अली को विश्व शांति मिशन द्वारा सम्मानित किया गया। इस अवसर पर विश्व शांति मिशन के अध्यक्ष अरुण कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि दुनिया में भगवान के बाद अगर किसी का सम्मान है तो वह डॉक्टर हैं क्योंकि डॉक्टर को धरती का भगवान माना जाता है और हृदय रोग विशेषज्ञ का महत्व और बढ़ जाता है क्योंकि शरीर का सबसे महत्वपूर्ण अंग हृदय ही है ऐसे में डॉक्टर मुश्ताक अली को सम्मानित करते हुए गौरव महसूस हो रहा है। समाजसेवी अत्ताउल्लाह शाही ने कहा कि आज डॉक्टर को अपनी जिम्मेदारी से जनता की सेवा करने की आवश्यकता है यह पेशा नहीं सेवा है। मकबूल अहमद मंसूरी ने कहा कि आज धन कम कमाने की होड़ में कुछ डॉक्टर भटक गए हैं जबकि उनकी सेवा पर मरीज का आशीर्वाद मिलता है और इसी से उनकी उन्नति भी होती है। डॉक्टर मुश्ताक अली ने सभी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि मैं अपने स्तर से पूरा प्रयास करता हूं कि मेरे पास जो भी मरीज आए वह पूर्ण स्वस्थ रहे और समाज

में जो डॉक्टर तक पहुंच नहीं पाते हैं या जिनके पास धन का अभाव है उनकी सेवा करना ही मैं अपना प्रथम कर्तव्य समझता हूं और सारे चिकित्सक यही करते हैं। इस अवसर पर राजेंद्र कुमार, हाजी मकबूल अहमद मंसूरी, हाजी अकील अहमद मंसूरी, नगीना लाल प्रजापति, प्रेमलता रसबिंदु, सुमन वर्मा, फूलचंद ,संजय कुमार श्रीवास्तव, ईस्माइल, लाल बहादुर शर्मा, सोनू, मोनू, दरक्शां आदि तमाम लोग उपस्थित थे।

अरुण कुमार श्रीवास्तव, अध्यक्ष, विश्व शांति मिशन

विकसित भारत का अमृतकाल केवल लक्ष्य नहीं, एक पवित्र मिशन है : इंजीनियर बृजमोहन

गोरखपुर। वरिष्ठ सामाजिक चिंतक इंजीनियर बृजमोहन ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विकसित भारत का अमृतकाल सिर्फ एक लक्ष्य नहीं बल्कि एक पवित्र मिशन है। 2014 से अब तक बीते 11 वर्षों में सरकार ने समावेशी, प्रगतिशील और सतत विकास की दिशा में ऐतिहासिक कार्य किए हैं। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने डिजिटल क्रांति, आधारभूत संरचना, गरीब कल्याण, और सुशासन के क्षेत्र में कई मील के पत्थर स्थापित किए हैं। मुद्रा योजना, उज्ज्वला योजना, पीएम आवास योजना, किसान सम्मान निधि और स्टार्टअप इंडिया जैसे कार्यक्रमों से गरीब, महिला, युवा और किसान सशक्त हुए हैं। ऑपरेशन सिंदूर, डिजिटल पेमेंट, रेलवे का आधुनिकीकरण, अंतरिक्ष और विज्ञान क्षेत्र में उपलब्धियां, और संस्कृति संरक्षण में भी सरकार की उपलब्धियां उल्लेखनीय रही हैं। एक भारत श्रेष्ठ भारत और ODOP जैसी पहलों ने भारत को वैश्विक स्तर पर नई पहचान दी है।

पांचवी मोहर्रम रवायत के साथ निकला इमामबाड़ा एस्टेट मियां साहब का जलूस

गोरखपुर। इस्लामिक कैलेंडर के अनुसार पांचवीं मोहर्रम गोरखपुर रिवायती जलूस इमामबाड़ा एस्टेट मियां साहब का जलूस इमामबाड़ा मियां बाजार से निकल कर कर्बला घासीकटरा होकर वापस इमामबाड़ा मियां बाजार पहुंचा। जलूस की सदारत आयान अली शाह ने की जलूस में सैयद इरशाद अहमद, डॉ वसीम इकबाल, सोहराब खान, शाहब हुसैन, मु०अब्दुल्लाह, रेहान सईद,फरहान अहमद,शकील शाही आदि सैंकड़ों लोग सम्मिलित हुए। इसके अलावा रात में विभिन्न इमामबाड़ा से जलूस निकले गए इमामबाड़ा बसंतपुर नरकटिया, इमामबाड़ा हंसूपुर, इमामबाड़ा अफगान हाता आदि।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती पर नगर पंचायत में संगोष्ठी आयोजित

गोरखपुर। भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती पर नगर पंचायत कार्यालय में संगोष्ठी आयोजित की गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भाजपा जिला उपाध्यक्ष मनोज कुमार शुक्ल ने डॉ. मुखर्जी को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि उनका जीवन राष्ट्र सेवा और भारत की एकता-अखंडता के लिए समर्पित रहा। उन्होंने कहा कि डॉ. मुखर्जी ने "एक देश, एक विधान, एक निशान" का उद्घोष किया और अपने बलिदान से इसे सिद्ध किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष इंद्र कुमार निगम ने की। इस अवसर पर नगर पंचायत अध्यक्ष महेश दुबे, पूर्व चेयरमैन उमाशंकर निषाद समेत कई गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

भीषण सड़क हादसा – तेज रफ्तार स्व ने रौंदी बाइक मासूम समेत तीन की मौके पर मौत, एक महिला गंभीर

गाजीपुर। कोतवाली थाना क्षेत्र के चौकियां-बेलवा कट के पास रविवार दोपहर एक तेज रफ्तार SUV ने बाइक सवार परिवार को रौंद डाला। दिल दहला देने वाले इस हादसे में मासूम बच्ची समेत तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक महिला की हालत नाजुक बनी हुई है। घायल महिला को प्राथमिक उपचार के बाद वाराणसी रेफर किया गया है। जानकारी के मुताबिक बेलवा-चौकियां मार्ग पर एक बाइक पर सवार होकर परिवार गाजीपुर की ओर जा रहा था। बाइक पर दो महिलाएं, एक बच्ची और एक युवक सवार थे। जैसे ही वे चौकियां-बेलवा कट पर पहुंचे, सामने से आई बेकाबू तेज रफ्तार SUV ने बाइक को सीधी टक्कर मार दी।

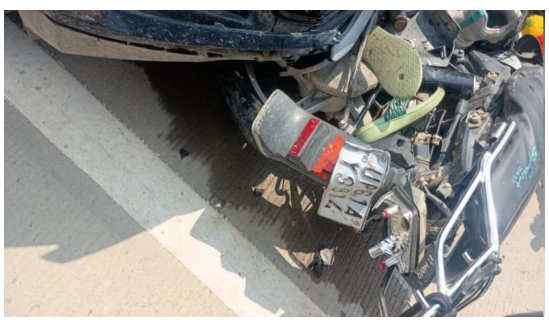

हादसे में मौके पर ही मौत हो गई:

संजीत पाल (26 वर्ष), पुत्र परमानंद पाल, निवासी करछहीं बरुआ, बलिया

अस्मिता पाल (2 वर्ष), निवासी करछहीं बरुआ, बलिया

चंद्रबियोति देवी, पत्नी हनुमान पाल, निवासी नसीरपुर, कोतवाली गाजीपुर

वहीं, कुंती देवी (36 वर्ष) गंभीर रूप से घायल हो गईं, जिन्हें स्थानीय लोगों की मदद से अस्पताल पहुंचाया गया, जहां से डॉक्टरों ने उन्हें वाराणसी रेफर कर दिया।

सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची, शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। इस दर्दनाक घटना के बाद इलाके में गमगीन माहौल है, गांव और परिजनों में कोहराम मचा हुआ है।

जिला कारागार गोरखपुर में आयोजित हुआ दंत स्वास्थ्य चिकित्सा जागरूकता शिविर

राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त एवं भारत रत्न से सम्मानित डॉ. संजीव गुलाटी ने किया नेतृत्व

गोरखपुर। जिला कारागार गोरखपुर में आज सुप्रसिद्ध दंत रोग विशेषज्ञ, राष्ट्रपति द्वारा पुरस्कृत एवं भारत रत्न से सम्मानित डॉ. संजीव गुलाटी के नेतृत्व में दंत स्वास्थ्य चिकित्सा जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य कारागार में निरुद्ध बंदियों को दंत रोगों के प्रति जागरूक करना एवं निशुल्क उपचार प्रदान करना था। शिविर का शुभारंभ जेल अधीक्षक डी. के. पाण्डेय द्वारा डॉ. संजीव गुलाटी को स्मृति चिन्ह भेंट कर किया गया। इस अवसर पर डॉ. गुलाटी ने बंदियों को पायरिया, आर.सी.टी., मुख कैंसर सहित अन्य दंत रोगों से बचाव के सरल उपाय बताए। उन्होंने बंदियों के साथ संवाद स्थापित करते हुए उनके प्रश्नों का सहज व प्रभावशाली ढंग से उत्तर दिया। कार्यक्रम के दौरान आकाशवाणी उद्घोषिका एवं जेल विजिटर श्रीमती अमृताधीर मेहरोत्रा ने भी दंत स्वास्थ्य से जुड़े अनेक सवाल पूछे, जिनका उत्तर डॉ. गुलाटी ने विस्तार से दिया। बंदियों ने भी अपनी शंकाएं व्यक्त कीं, जिसका समाधान मौके पर ही किया गया।

शिविर में कुल 47 बंदियों का निःशुल्क परीक्षण एवं उपचार किया गया तथा आवश्यक दवाएं भी वितरित की गईं। कार्यक्रम के समापन पर जेल अधीक्षक डी. के. पाण्डेय ने डॉ. संजीव गुलाटी एवं श्रीमती अमृताधीर मेहरोत्रा का आभार व्यक्त किया और इस प्रकार के सेवाभावी प्रयासों की सराहना की। इस अवसर पर कारागार के वरिष्ठ परामर्शदाता डॉ. विनय राय, प्रभारी जेलर विजय कुमार, डिप्टी जेलर कृष्णा कुमारी, हेड जेल वार्डर, जेल वार्डर सहित कई अन्य अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

अब्बास अंसारी अभी जेल में ही रहेंगे, मऊ कोर्ट ने सजा कम करने की याचिका की खारिज

गाजीपुर। माफिया मुख्तार अंसारी के बेटे और मऊ सदर के पूर्व विधायक अब्बास अंसारी को मऊ सेशन कोर्ट से बड़ा झटका लगा है. अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश राजीव कुमार वत्स की फास्ट ट्रैक कोर्ट नंबर 1 ने हेट स्पीच मामले में उनकी 2 साल की सजा को बरकरार रखते हुए अपील खारिज कर दी है. हालांकि, कोर्ट ने अब्बास की अंतरिम जमानत की अवधि को बढ़ा दिया है. 31 मई को मऊ की मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (CJM) कोर्ट ने अब्बास अंसारी को 2022 के विधानसभा चुनाव के दौरान भड़काऊ भाषण देने के मामले में दोषी ठहराया था. साथ ही उन्हें 2 साल की सजा और 11,000 रुपये का जुमार्ना भी लगाया था. इस सजा के बाद 1 जून को उनकी मऊ सदर विधानसभा सीट से सदस्यता रद्द कर दी गई थी. इसके खिलाफ अब्बास के वकील दरोगा सिंह ने सेशन कोर्ट में अपील दायर की थी. शासकीय अधिवक्ता अजय कुमार सिंह ने बताया कि अब्बास अंसारी ने तीन प्रार्थना-पत्र दायर किए थे. पहला, उनकी अंतरिम जमानत को स्थायी जमानत में बदलने की मांग. दूसरा, 2 साल की सजा पर रोक लगाने की अपील. तीसरा, दोषसिद्धि को रद्द करने की मांग. कोर्ट ने इससे अंतरिम जमानत को स्थायी जमानत में बदल दिया, लेकिन साथ ही सजा पर रोक लगाने और दोषसिद्धि रद्द करने की अपील को भी खारिज कर दिया.

क्या था पूरा मामला?

यह मामला 3 मार्च 2022 का है. जब मऊ के पहाड़पुरा मैदान में एक चुनावी सभा के दौरान अब्बास अंसारी ने कथित तौर पर प्रशासनिक अधिकारियों को धमकी दी थी. उन्होंने कहा था कि सरकार बनने पर अधिकारियों का हिसाब-किताब किया जाएगा और उनकी ट्रांसफर-पोस्टिंग पर रोक लगाई जाएगी. इस बयान को भड़काऊ मानते हुए मऊ कोतवाली में सब-इंस्पेक्टर गंगाराम बिंद की शिकायत पर अब्बास, उनके भाई उमर अंसारी और उनके चुनावी एजेंट मंसूर अंसारी के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया था. यह केस भारतीय दंड संहिता (IPC) की धारा 506, 171एफ, 186, 189, 153ए और 120बी के तहत दर्ज हुआ था. बता दें कि कोर्ट ने इस मामले में उमर अंसारी को बरी कर दिया था, लेकिन अब्बास और मंसूर को दोषी ठहराया था.

अब केवल हाईकोर्ट का ही रास्ता बचा:

सजा बरकरार रहने के कारण अब्बास की विधायकी बहाल होने की संभावना खत्म हो गई है. अब उनके पास इलाहाबाद हाईकोर्ट में अपील दायर करने का विकल्प बचा है. शासकीय अधिवक्ता ने कहा कि निचली अदालत का फैसला विधिसम्मत है और उसमें हस्तक्षेप का कोई आधार नहीं है. इस फैसले ने मऊ और पूर्वांचल में राजनीतिक हलचल बढ़ा दी है. अब्बास अंसारी सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (SBSP) के टिकट पर 2022 में मऊ सदर से विधायक थे।

Introductory Meeting Held at Saraswati Shishu Mandir, PakkiBagh

Gorakhpur, "An important introductory meeting was organized at Saraswati Shishu Mandir (10+2), PakkiBagh, Gorakhpur, to mark the beginning of the upcoming academic session. The event was graced by the presence of Dr. Shailesh Singh, Minister of the Shishu Shiksha Samiti, Goraksh Prant, as the chief guest.

The meeting commenced with the lighting of the ceremonial lamp before the portrait of Goddess Saraswati, invoking blessings for the educational journey ahead.

During the event, Dr. Shailesh Singh personally interacted with the members of the school fraternity and appreciated their dedication and contributions. He also discussed the preparations for the upcoming academic year and encouraged the staff to continue their efforts toward holistic education.

Also present on the occasion were Rajkumar ji, Regional Head of the Sanskriti Bodh Project for Eastern Uttar Pradesh; Divakar Mishra ji, Provincial Examination Head; and Rajeev Srivastava ji, Principal of Saraswati Shishu Mandir Senior Secondary School, Subhash Chandra Bose Nagar, Suryakund, Gorakhpur.

The guests were formally introduced by Dr. Rajesh Singh, Principal of the host institution. At the conclusion of the event, First Assistant Rukmini Upadhyay ji extended a heartfelt vote of thanks to all the dignitaries and attendees.

The program concluded with the chanting of the Shanti Mantra, promoting a message of peace and harmony.

Dental Health Awareness Camp Organized at Gorakhpur District Jail

Padma Awardee Dr. Sanjeev Gulati Leads the Initiative

Gorakhpur,"A dental health awareness and treatment camp was organized today at the District Jail, Gorakhpur, under the leadership of renowned dental surgeon, Padma Awardee, and Presidential Honoree Dr. Sanjeev Gulati. The initiative aimed at promoting oral hygiene and providing free dental check-ups and medication to the inmates.

The program was inaugurated by Jail Superintendent Mr. D. K. Pandey, who welcomed Dr. Gulati with a memento and expressed his gratitude for the noble service.

During the camp, Dr. Gulati addressed the inmates and educated them about common dental issues such as pyorrhea, root canal treatment (RCT), and oral cancer, including preventive measures and hygiene practices."He also answered several queries posed by the inmates as well as by All India Radio announcer and Jail Visitor Mrs. Amritadhir Mehrotra, who engaged in a detailed interactive session with the doctor.

A total of 47 inmates were examined and treated on-site by Dr. Gulati, and free medicines were distributed to those in need.

In his concluding remarks, Jail Superintendent Mr. D. K. Pandey extended thanks to Dr. Sanjeev Gulati and Mrs. Amritadhir Mehrotra for their valuable contribution and compassionate service.

The camp was also attended by Senior Counselor Dr. Vinay Rai, Jail In-charge Vijay Kumar, Deputy Jailer Krishna Kumari, Head Jail Warder, and several other jail staff members.

Viksit Bharat is not just a goal, but a sacred mission :Engineer Brijmohan

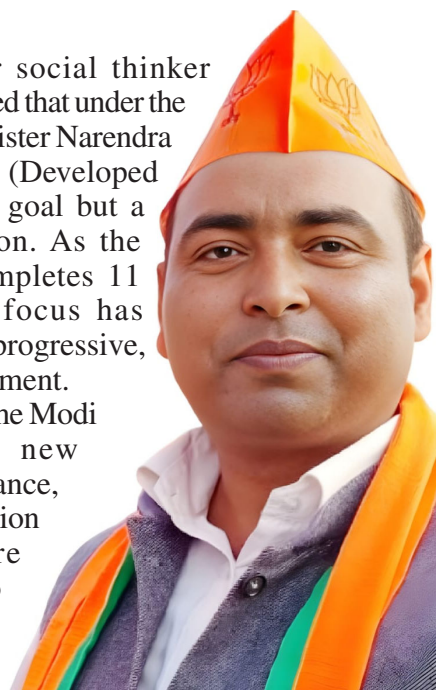

Gorakhpur,"Senior social thinker Engineer Brijmohan stated that under the leadership of Prime Minister Narendra Modi, "Viksit Bharat" (Developed India) is not merely a goal but a sacred national mission. As the Modi government completes 11 years in office, the focus has remained on inclusive, progressive, and sustainable development.

He emphasized that the Modi government has set new benchmarks in governance, from digital transformation and infrastructure development to grassroots welfare and poverty alleviation.

Schemes like MUDRA Yojana, PM Awas Yojana, Ujjwala Yojana, PM Kisan Samman Nidhi, and Startup India have empowered the poor, women, youth, and farmers alike.

Citing achievements such as Operation Sindoor, India's digital payment revolution, railway modernization, space advancements, and the revival of cultural heritage, Brijmohan said India's global stature has risen significantly under PM Modi's leadership.

Initiatives like "Ek Bharat, Shreshtha Bharat" and ODOP (One District, One Product) have also promoted balanced regional and cultural growth across the country.

Engineer Brijmohan concluded by saying that "Sankalp se Siddhi" (From Resolution to Accomplishment) is not just a slogan, but a reflection of India's 11-year journey of commitment, service, and nation-building under a visionary leadership.

Nationwide Crackdown on Fake Journalists and Illegal Media Outlets: FIRs to Be Filed

New Delhi,"The Ministry of Information and Broadcasting has announced a nationwide crackdown on fake journalists and unauthorized media channels operating without valid registrations. Strict action will be taken against individuals running newspapers or TV channels without RNI (Registrar of Newspapers for India) registration, the Minister confirmed during a video conference with journalists.

The Minister stated that all individuals carrying fake press ID cards or operating unregistered news channels will be immediately investigated. If found guilty, prompt legal action including arrest will be taken.""He emphasized that due to a few unscrupulous individuals, the image of honest and professional journalists is being tarnished, and their work is being hindered. It has been observed that many are operating so-called news platforms by paying a small amount of money and bypassing mandatory government registrations.

Fake Press Cards and Blackmailing Under Scrutiny

The Minister warned against the growing racket of fake press cards, fake journalist appointments, and blackmailing in the name of journalism, stating that this must be stopped immediately. Directives have already been issued to all state-level information departments to take strict action.

He clarified that only newspapers/magazines registered with the RNI, or TV/Radio channels approved by the Ministry, are authorized to appoint journalists or issue press cards. Furthermore, only the editor of such a registered organization may issue a valid press ID.

No Official Recognition for News Portals

Responding to questions about news portals, the Minister clearly stated that there is currently no provision in the Ministry of Information and Broadcasting for the registration of internet-based news portals. Therefore, no online portal or cable/DIS-based channel is permitted to appoint journalists or issue press IDs."Anyone found doing so will be considered in violation of the law, and strict action will be taken, including FIRs and arrests.""He concluded by warning that operating a news portal or newspaper without proper registration is a punishable offense, and those involved will not be spared.

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक, शक्ति शंकर द्वारा फाईन आफसेट प्रिंटर्स मदरसा हुसैनिया बिल्डिंग बक्शीपुर, जनपद–गोरखपुर से मुद्रित कराकर, मुहल्ला–द्वितीय तल पुष्पांजलि काम्प्लेक्स शाही मार्केट, गोलघर, जनपद–गोरखपुर से प्रकाशित।
प्रधान संपादक :
शक्ति शंकर
मो नं.
7233999001
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र गोरखपुर न्यायालय होगा।